लखनऊ
मंगलवार, 21 जुलाई, 2026
वर्ष : 11 | अंक: 323
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8
UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक
आर्यावर्त क्रांति

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। — स्वामी विवेकानंद

TODAY WEATHER
DAY 32° Hi
NIGHT 28° Low

‘मैं ठीक हूं, सीजेपी प्रोटेस्ट में जाने दो’ सोनम वांगचुक ने सफदरगंज अस्पताल को लिखा पत्र

» ब्लड पैरामीटर की बारीकी से क्लिनिकल निगरानी की जरूरत बनी हुई है

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने 20 जुलाई सोमवार को सफदरजंग अस्पताल के अधिकारियों को पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि उनकी तबीयत बिल्कुल ठीक है। उन्होंने अस्पताल से कुछ देर के लिए बाहर जाने की इजाजत मांगी है, ताकि वे कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संसद तक निकलने वाले 'संसद चलो' मार्च में शामिल हो सकें। वांगचुक ने लिखा, "मैं ये बताना चाहता हूं कि आज मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और मेरी सेहत से जुड़े पैरामीटर भी बिल्कुल सामान्य हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए, मैं आपसे गुजारिश करता हूं कि मुझे अस्पताल से जाने की इजाजत दें, भले ही कुछ समय के लिए, ताकि मैं आज सुबह संसद तक होने वाले मार्च, 'संसद चलो' में शामिल हो सकूं।" उन्होंने आगे कहा, "मैं आपका बहुत आभारी रहूंगा।"

सोशल मीडिया पर लेटर शेयर करते हुए उन्होंने सवाल किया कि अगर पुलिस का कहना है कि एक्टिविस्ट को हिरासत में नहीं लिया गया है, तो उनके आने-जाने पर रोक क्यों लगाई गई है? उनके सोशल मीडिया हैंडल पर एक मैसेज में लिखा था, "सोनम वांगचुक आप सबसे मिलने की बहुत कोशिश कर रहे हैं। अभी हॉस्पिटल को एक लेटर दिया है क्योंकि उनकी सेहत ठीक है और उनका दावा है कि वो हिरासत में नहीं हैं। तो फिर रोक क्यों?"

डॉक्टरों की निगरानी में हैं वांगचुक

ये चिट्ठी सफदरजंग अस्पताल के अधिकारियों द्वारा मेडिकल अपडेट में यह बताए जाने के कुछ समय बाद आई कि वांगचुक के जरूरी मेडिकल पैरामीटर स्थिर हैं, जबकि उनके ब्लड पैरामीटर की बारीकी से क्लिनिकल निगरानी की जरूरत बनी हुई है। ताजा हेल्थ बुलेटिन में कहा गया, "सोनम वांगचुक को VMMC और सफदरजंग अस्पताल में पूरी मेडिकल देखभाल मिल रही है। उनके जरूरी मेडिकल पैरामीटर स्थिर हैं। ब्लड पैरामीटर की बारीकी से क्लिनिकल निगरानी की जरूरत बनी हुई है। वांगचुक लगातार मेडिकल देखरेख और विशेषज्ञों की एक मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम की कड़ी निगरानी में हैं।" ये चिट्ठी वांगचुक के सरकारी अस्पताल में बने रहने को लेकर चल रहे गतिरोध के बीच भी आई है। उनकी पत्नी, गीतांजलि जे आंग्मो ने आरोप लगाया है कि परिवार के सदस्यों को भी एक्टिविस्ट से मिलने नहीं दिया जा रहा है। उनका दावा है कि उन्हें असल में पुलिस कस्टडी जैसी पाबंदियों के तहत रखा गया है।

संक्षेप

जम्मू-कश्मीर स्टेटहूड पर केंद्र की वादाखिलाफी, उमर अब्दुल्ला बोले- संघर्ष तो बस शुरू हुआ है

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के विरोध-प्रदर्शन को दबा दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई से सम्मान और स्व-शासन के लिए उनके अभियान पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा और संवैधानिक अधिकार बहाल करने का आंदोलन तो अभी शुरू ही हुआ है। उमर अब्दुल्ला ने X पर एक पोस्ट में प्रदर्शन के दौरान आई चुनौतियों के बारे में अपने विचार साझा किए। उमर अब्दुल्ला ने लिखा कि हमें जंतर-मंतर जाने और अपने जायज़ हक़ के लिए शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने से रोका गया, लेकिन हमारी आवाज़ नहीं दबाई गई। यह राज्य का दर्जा, हमारे अधिकारों, हमारी गरिमा और हमसे छीनी गई हर चीज़ के लिए हमारे संघर्ष की बस शुरुआत है। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि प्रदर्शन स्थल तक पहुंचने की कोशिश के दौरान पार्टी नेताओं को पाबंदियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कहा कि आंदोलन जारी है और वे अपने संवैधानिक लक्ष्यों पर केंद्रित हैं। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक हसनैन मसूदी ने ANI से बात करते हुए ज़ोर देकर कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करने में हो रही देरी से राष्ट्रीय हित को नुकसान पहुँचता है और उन्होंने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन मौजूदा अनिश्चितता को दूर करने के लिए है।

1109 करोड़ के बैंक लोन घोटाले में सीबीआई का बड़ा एक्शन, गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर के कई ठिकानों पर छापेमारी

भुवनेश्वर। 1109 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण घोटाले की जांच में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ा कदम उठाते हुए गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की है। भुवनेश्वर की विशेष सीबीआई अदालत से मिले तलाशी वारंट के आधार पर ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और झारखंड में कार्रवाई की गई। इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं। सीबीआई के अनुसार, कंपनी पर बैंकों से अधिक ऋण प्राप्त करने के लिए वित्तीय आंकड़ों और स्टॉक वैल्यू को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप है। जांच एजेंसी का कहना है कि कथित तौर पर गलत वित्तीय जानकारी के आधार पर ऋण सीमा बढ़वाई गई और बाद में ऋण राशि का दुरुपयोग करते हुए उसे अन्य खातों एवं उद्देश्यों में स्थानांतरित किया गया, जिससे बैंकों को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। छापेमारी के दौरान भुवनेश्वर में कंपनी के चार निदेशकों के आवास, कोलकाता स्थित पंजीकृत कार्यालय, उत्तराखंड के काशीपुर, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर तथा भुवनेश्वर स्थित उत्पादन इकाइयों की तलाशी ली गई। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और जब्त दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर ने विभिन्न बैंकों के कंसोर्टियम से करीब 2900 करोड़ रुपये का ऋण लिया था।

संसद घेरने चले कॉकरोच जनता पार्टी के लोग, पुलिस से हुई तीखी झड़प

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मॉनसून सत्र और 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध मार्च को देखते हुए संसद परिसर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है। उन्हें ऐसा करने के लिए एक NEET स्टूडेंट के पिता ने मनाया, जिसने आत्महत्या कर ली थी। सीजेपी ने X पर एक पोस्ट में कहा कि आत्महत्या करने वाली NEET स्टूडेंट रिया थापा के पिता ने अभिजीत दिपके को भूख हड़ताल खत्म करने के लिए मनाया, ताकि वे संसद तक मार्च का नेतृत्व कर सकें। संसद के मॉनसून सत्र के बीच इस बड़े आंदोलन को देखते हुए दिल्ली पुलिस और खुफिया एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट पर हैं। संसद भवन के कई गेट बंद कर किए गए हैं। सोशल एक्टिविस्ट योगेंद्र यादव द्वारा X पर पोस्ट किए गए एक वीडियो के अनुसार, 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध मार्च के दौरान संसद परिसर के पास प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने कथित तौर पर आंसू गैस का इस्तेमाल किया है। संसद के मॉनसून सत्र और 'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रस्तावित विरोध मार्च को देखते हुए संसद परिसर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का आभार जताया। खड़गे ने राज्यसभा में उन प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया था जो सीजेपी के संसद मार्च से पहले नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर पार्टी के विरोध-प्रदर्शन स्थल पर जमा हुए थे। कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के संसद मार्च में सोमवार को शामिल होने के लिए जंतर-मंतर जाने की कोशिश में कई प्रदर्शनकारियों ने शास्त्री भवन के पास सुरक्षा अवरोधकों को तोड़ने की कोशिश की जिसके बाद सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह कार्रवाई उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में तनाव बढ़ने के बीच हुई। एहतियात के तौर पर जनपथ, पटेल चौक, राजीव चौक, केंद्रीय सचिवालय और सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशनों में प्रवेश पर रोक लगाए जाने और गेट बंद किए जाने के कारण कई यात्री मेट्रो स्टेशनों के अंदर ही फंसे रहे।

सीजेपी का दावा, पुलिस ने अभिजीत दिपके को हिरासत में लिया, सौरव दास ने बताया नड्डा से मुलाकात में क्या हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को दावा किया कि पुलिस ने अभिजीत दिपके को जंतर-मंतर से हिरासत में ले लिया है। सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने X पर एक पोस्ट में कहा कि पुलिस ने दिपके को हिरासत में ले लिया है। हम सभी सांसदों से अपील करते हैं कि वे तुरंत सड़कों पर उतरे छात्रों के समर्थन में खड़े हों। उन्होंने कहा कि पुलिस शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर बेरहमी से कार्रवाई कर रही है और उनकी पिटाई कर रही है। इसके साथ ही दास ने दावा किया कि 2 घंटे से ज़्यादा इंतज़ार करने के बाद, आशुतोष रांका और मैंने जेपी नड्डा जी से उनके घर पर 10 मिनट के लिए मुलाक़ात की। हमने अपनी मांगों वाला एक लिखित पत्र उन्हें सौंपा है और उन्होंने हमें भरोसा दिलाया है कि वे इस बीच आंतरिक स्तर पर बातचीत करेंगे। हम अभी उसी प्रक्रिया में हैं। बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लिए जाने जैसी ख़बरें आ रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संसद मार्च में शामिल होने के लिए जंतर-मंतर जाने की कोशिश में कई प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बैरिकेड्स को तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने यहां शास्त्री भवन के पास आंसू गैस के गोले छोड़े। यह कार्रवाई हाई-सिक्योरिटी वाले इलाके में बढ़े तनाव के बीच हुई। एहतियात के तौर पर स्टेशन के गेट बंद करने और आवाजाही पर रोक लगाने के कारण कई यात्री पास के मेट्रो स्टेशनों के अंदर ही फंस गए। सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक को रोकने के लिए सेंट्रल दिल्ली में पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स की भारी तैनाती बनी रही। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए न्यू दिल्ली ज़िले में सुरक्षा व्यवस्था दोगुनी कर दी गई है और इसके लिए आस-पास के ज़िलों से पैरामिलिट्री फोर्स और पुलिस कर्मियों की अतिरिक्त टुकड़ियाँ तैनात की गई हैं। उन्होंने कहा कि हालात को देखते हुए पैरामिलिट्री फोर्स की कई टुकड़ियों को, जिन्हें रिज़र्व में रखा गया था।

छात्रों पर लाठीचार्ज पर भड़के अखिलेश यादव, कहा- यह सरकार नहीं, अहंकार है

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को NEET-UG पेपर लीक विवाद और छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने प्रशासन पर जन-कल्याण के बजाय अहंकार से प्रेरित होकर काम करने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने छात्रों को हिरासत में लेने और उनके साथ कथित दुर्व्यवहार की निंदा की। उन्होंने कहा कि वे प्रदर्शनकारियों को पुलिस स्टेशनों में रख रहे हैं और बाहर छात्रों की पिटाई कर रहे हैं। यह कैसी सरकार है जो 'सबका साथ, सबका विकास' की बात तो करती है, लेकिन बच्चों की बात सुनना नहीं चाहती? क्या यह सरकार है या आपका अहंकार? अगर यह सरकार होती, तो बच्चों की बात सुनती। अखबार यादव ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ईमानदारी और राष्ट्रीय परीक्षाओं के आयोजन पर सवाल उठाते हुए पूछा कि अगर NEET परीक्षा हुई और उसमें नकल हुई, तो इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है? विश्वसनीयता का क्या? इसकी तैयारी किसे करनी थी?

पेपर लीक-चढ़ावा चोरी पर लोकसभा में भारी हंगामा, सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मानसून सत्र में सोमवार को लोकसभा में नीट पेपर लीक और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दों पर विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। विपक्षी सांसदों ने विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की, जिससे सदन का माहौल गर्मा गया।

लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य अपनी सीटों से उठकर सदन के मध्य भाग में पहुंच गए और सरकार के खिलाफ नारे लगाने लगे। कुछ सांसदों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए स्पीकर से हस्तक्षेप की अपील की। लगातार हंगामे के बीच स्पीकर ओम बिरला ने सदस्यों से सदन की गरिमा बनाए रखने और नियमों के तहत अपनी बात रखने का आग्रह किया।

स्पीकर ने कहा कि संसद संवाद और सार्थक चर्चा का मंच है तथा सभी सदस्यों को नियमानुसार अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने तख्तियां दिखाने और नारेबाजी से बचने की सलाह देते हुए कहा कि इससे संसदीय परंपराओं को नुकसान पहुंचता है। शोर-शराबा जारी रहने पर लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई।

उधर, राज्यसभा में भी विपक्ष ने प्रदर्शनकारियों और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ कथित पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। उनके बयान के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई, जिससे सदन में हंगामे की स्थिति बन गई।

जहां तथ्य और तर्क होते हैं, वहां तूफान के लिए जगह नहीं होती : प्रधानमंत्री मोदी

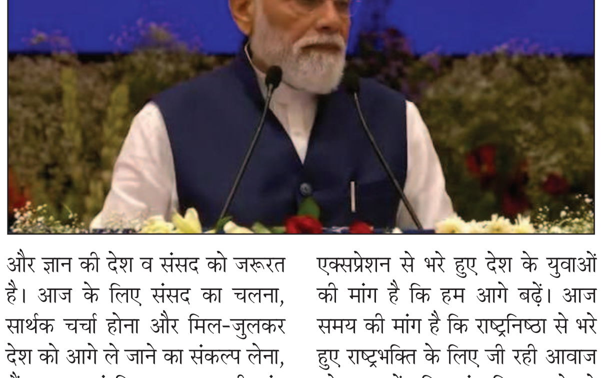

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले कहा कि हां तथ्य और तर्क होते हैं, वहां तूफान के लिए जगह नहीं होती है। अगर तर्क मजबूत हैं और तर्क मजबूत हैं तो शांत चित्त से भी अपनी आवाज को बुलंद बनाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मानसून सत्र आरंभ हो रहा है, देश ने रफ्तार पकड़ ली है और संसद का स्पिरिट उस रफ्तार में नई ऊर्जा भर सकता है। सकारात्मक स्पिरिट राष्ट्र के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बहुत आवश्यक होता है। उन्होंने कहा, हमारे सदन में बहुत अनुभवी सांसद भी हैं, चाहे दल उनका कोई भी हो। उनके पास लंबा अनुभव है। ऐसे समय में उनके अनुभव और ज्ञान की देश व संसद को जरूरत है। आज के लिए संसद का चलना, सार्थक चर्चा होना और मिल-जुलकर देश को आगे ले जाने का संकल्प लेना, मैं समझता हूं कि यह समय की मांग की है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, एक्सप्रेशन से भरे हुए देश के युवाओं की मांग है कि हम आगे बढ़ें। आज समय की मांग है कि राष्ट्रनिष्ठा से भरे हुए राष्ट्रभक्ति के लिए जी रही आवाज को सदन में उचित मंच मिलता रहे। वे आवाज को बुलंद करे और देश को दिशा दे।

उन्होंने कहा, जहां तथ्य और तर्क होते हैं, वहां तूफान के लिए जगह नहीं होती है। अगर तर्क मजबूत हैं और तर्क मजबूत हैं तो शांत चित्त से भी अपनी आवाज को बुलंद बनाया जा सकता है। मैं आशा करता हूं कि तर्क और तथ्य के साथ सदन की चर्चा को समृद्ध किया जाए। हर आवाज को अवसर मिले और हर विचार को सम्मान मिले, यह संसद की हमारी भूमिका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं सभी सांसदों से बढ़-चढ़कर सदन में हिस्सा लेने के लिए निमंत्रित करता हूं। आज सुबह लोकसभा स्पीकर ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से देश के सांसदों का स्वागत करने के अपने भाव को व्यक्त किया है। मैं भी उसमें अपना स्वर मिलाता हूं।

डीसीजीआई ने ताकेदा की क्यूडेंगा को मंज़ूरी दी, भारत को मिली पहली डेंगू वैक्सीन

मुंबई, एजेंसी। जापान की कंपनी ताकेदा Biopharmaceuticals ने सोमवार को घोषणा की कि भारत के ड्रग रेगुलेटर ने उसकी एंटी-डेंगू वैक्सीन क्यूडेंगा को मार्केट में इस्तेमाल की मंज़ूरी दे दी है। यह देश में इस्तेमाल के लिए मंज़ूरी पाने वाली पहली डेंगू वैक्सीन बन गई है। टाकेडा बायोफार्मास्युटिकल्स इंडिया ने एक बयान में कहा कि ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ़ इंडिया (डीसीजीआई) ने 4 से 60 साल की उम्र के लोगों में डेंगू की बीमारी से बचाव के लिए टाकेडा की डेंगू वैक्सीन 'क्यूडेंगा' को मार्केट ऑथराइज़ेशन (CT-20, नई दवाएं और क्लिनिकल ट्रायल (NDCT) नियम, 2019) दे दिया है। कंपनी ने बताया कि क्यूडेंगा भारत में मंज़ूरी पाने वाली पहली डेंगू वैक्सीन है। इसे उन लोगों को भी दिया जा सकता है जिन्हें पहले डेंगू हुआ हो या नहीं हुआ हो, और इसके लिए वैक्सीन लगाने से पहले किसी टेस्ट की ज़रूरत नहीं है।

भारत में डेंगू अब भी सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है और हर साल इसके हज़ारों मामले सामने आते हैं। नेशनल वेक्टर बॉर्न डिज़ीज़ कंट्रोल के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल फरवरी तक 6,927 मामले सामने आए और 10 लोगों की मौत हुई। यह बीमारी देश के ज़्यादातर हिस्सों में फैली हुई है और दुनिया भर में डेंगू के कुल मामलों में से लगभग एक-तिहाई मामले यहीं से आते हैं। कंपनी के अनुसार, यह वैक्सीन डेंगू वायरस के सभी चार सीरोटाइप के खिलाफ असरदार है। टाकेडा में इंटरकॉन्टिनेंटल मार्केट्स के हेड, महेंद्र नायक ने कहा कि क्यूडेंगा के सात साल के नए डेटा से पता चलता है कि यह सभी चार सीरोटाइप के खिलाफ डेंगू संक्रमण और अस्पताल में भर्ती होने से लगातार सुरक्षा देती है; यह समुदायों और स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए एक अहम उपलब्धि है। 2022 में लॉन्च होने के बाद से, क्यूडेंगा को 43 देशों में मंज़ूरी मिल चुकी है और दुनिया भर में इसकी 32 मिलियन से ज़्यादा डोज़ बांटी जा चुकी हैं। डेंगू साल भर रहने वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है, जिसका कोई खास इलाज नहीं है। इसका गंभीर रूप, डेंगू हैमरेजिक फीवर, जानलेवा हो सकता है। दक्षिण-पूर्व एशिया और भारत क्लस्टर में मेडिकल अफेयर्स हेड, गो चू बेंग ने कहा, भारत में डेंगू का काफी ज़्यादा बोझ है, और कई इलाकों में डेंगू वायरस के सभी चार सीरोटाइप एक साथ फैलते हुए पाए गए हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी : सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई, एसआईटी के पुनर्गठन का दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं से मिले दान में कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में अदालत ने साफ संकेत दिया है कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और पेशेवर तरीके से होनी चाहिए। इसी को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से विशेष जांच टीम (एसआईटी) के पुनर्गठन पर आवश्यक निर्देश लेने को कहा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस पूरे मामले को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए और जांच अपने तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ अयोध्या राम मंदिर में मिले दान के कथित गबन की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। अदालत ने इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी से जांच की स्थिति रिपोर्ट मांगी थी। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि आदेश के अनुपालन में स्थिति रिपोर्ट दाखिल कर दी गई है। जांच जारी है और अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि उन्होंने कहा कि जांच के इस चरण में अधिक जानकारी सार्वजनिक करना उचित नहीं होगा। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने सबसे पहले यह जानना चाहा कि क्या मौजूदा समय में एसआईटी जांच कर रही है। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि फिलहाल राज्य पुलिस जांच कर रही है और अलग से कोई एसआईटी सक्रिय नहीं है। इसके बाद अदालत ने एसआईटी की संरचना और जांच अधिकारियों के बारे में सवाल किए।

सीएम योगी से मिले मोहसिन रजा, यूपी में वक्फ संपत्तियों की एसआईटी जांच की मांग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पूर्व मंत्री मोहसिन रजा ने रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ से मुख्यमंत्री आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वक्फ बोर्डों में घोटाले की जनपदवार एसआईटी जांच और विशेष ऑडिट की मांग की। सीएम के साथ बैठक के दौरान मोहसिन रजा ने बताया कि वर्तमान में केवल एक लाख 27 हजार रजिस्टर्ड वक्फ रह गए हैं, जबकि पहले यह संख्या 2 लाख से ज्यादा थी। उन्होंने कहा कि सपा, बसपा, कांग्रेस शासनकाल में वक्फ बोर्ड का ठीक से ऑडिट नहीं कराया गया। जिसकी वजह से लाखों संपत्तियों का लेखा-जोखा अस्पष्ट रह गया।

मोहसिन रजा ने '70 हजार से ज्यादा वक्फ संपत्तियां रिकॉर्ड से गायब' होने का दावा किया। उन्होंने सीएम योगी से शिया और सुन्नी दोनों वक्फ बोर्डों की जांच कराने की मांग की।

वक्फ बोर्डों की जांच कराने की मांग

पूर्व मंत्री ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 का स्वागत करते हुए कहा कि यह कानून वक्फ संपत्तियों में पारदर्शिता, उनकी सुरक्षा और सही उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरुरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब समय आ गया है कि वक्फ संपत्तियों की वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए निष्पक्ष जांच कराई जाए।

वक्फ बाय यूजर से जुड़े विवादों का निस्तारण

वक्फ संपत्तियों को कब्जामुक्त कर जरूरतमंदों के हित में उपयोग की मांग

प्रदेश स्तर पर निगरानी समितियां बनाकर अभियान चलाने का सुझाव

वक्फ संपत्तियों के व्यावसायिक उपयोग की शिकायतें

मोहसिन रजा ने कहा कि लखनऊ, गाजियाबाद, सहारनपुर, कानपुर, मेरठ, आगरा, प्रयागराज, अयोध्या, बरेली, नोएडा, अमरोहा, बिजनौर, अलीगढ़, वाराणसी, आजमगढ़ समेत अनेक जिलों में अवैध कब्जे और वक्फ संपत्तियों के व्यावसायिक उपयोग की शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियों का मूल लक्ष्य प्रभावित हुआ है और जरूरतमंदों तक लाभ नहीं पहुंच पा रहा है।

उन्होंने सीएम योगी से अपील की कि आपकी भ्रष्टाचार-विरोधी और जीरो-टॉलरेंस नीति के लिहाज से इस मामले में उच्चस्तरीय, निष्पक्ष और शीघ्र कार्रवाई की जाए। उन्होंने जिक्र किया कि विषय की संवेदनशीलता और जनहित को देखते हुए तत्काल SIT जांच और विशेष ऑडिट शुरू कराकर जनहित में निर्णय लिया जाए।

इन प्रमुख बिंदुओं पर हुई चर्चा

- वक्फ घोटाले की जनपदवार SIT जांच और विशेष ऑडिट
- 70 हजार से अधिक वक्फ संपत्तियां रिकॉर्ड से गायब होने का दावा
- शिया और सुन्नी दोनों वक्फ बोर्डों की जांच
- हर जिले में भौतिक सत्यापन और विशेष ऑडिट
- अवैध कब्जों, फर्जी नामांतरण और अवैध लीज की जांच
- दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई और संपत्तियों की वसूली

गुमशुदगी से हत्या तक : 12 दिन बाद खुला अमित हत्याकांड, चार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। धनपतगंज थाना क्षेत्र से जुड़े चर्चित अमित कुमार हत्याकांड में पुलिस ने आखिरकार हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। गुमशुदगी के करीब 12 दिन बाद मृतक के पिता की तहरीर पर चार लोगों के विरुद्ध हत्या, साक्ष्य मिटाने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। मामले ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है।

जानकारी के अनुसार, अयोध्या जनपद के थाना कुमारगंज क्षेत्र के ग्राम रामपुर (जालिम का पुरवा) धनधुआ पोस्ट मिल्कीपुर निवासी काशीराम ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि उनके 25 वर्षीय पुत्र अमित कुमार की आरोपियों ने हत्या कर शव नहर में फेंक दिया। इतना ही नहीं, विरोध करने पर उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी गई।

बताया जाता है कि अमित कुमार की गुमशुदगी 7 जुलाई 2026 को दर्ज कराई गई थी। इसके दो दिन बाद 9 जुलाई को कूरेभार क्षेत्र स्थित शारदा नहर के फाटक में उसकी लाश फंसी हुई मिली थी। शव मिलने के बाद से परिजन हत्या की आशंका जता रहे थे। वादी की तहरीर के आधार पर धनपतगंज पुलिस ने मु.अ.सं. 0133/2026 के तहत धारा 103(1) एवं 351(3) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया है। मामले में संगीता पुत्री मिहीलाल, लक्ष्मी पुत्री मिहीलाल निवासी ग्राम एकलखी थाना धनपतगंज, रामचरन तथा शशिकान्त पुत्र खूंटी निवासी ग्राम सेवरा को नामजद आरोपी बनाया गया है।

छात्रों के समर्थन में सपा यूथ ब्रिगेड का प्रदर्शन, पुलिस ने जब्त किया प्रतीकात्मक पुतला

आर्यावर्त संवाददाता

सुल्तानपुर। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के समर्थन में हुए प्रदर्शन और विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में सोमवार को समाजवादी पार्टी की मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड ने प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष शहजाद अहमद एडवोकेट के नेतृत्व में कार्यकर्ता केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का प्रतीकात्मक पुतला लेकर कलेक्ट्रेट की ओर बढ़ रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने रास्ते में पुतला अपने कब्जे में लेकर प्रदर्शन को रोक दिया।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था और छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। सपा जिलाध्यक्ष शहजाद अहमद ने आरोप लगाया कि छात्रों और विपक्षी नेताओं की आवाज दबाने के लिए दमनात्मक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगों की अनदेखी जारी रही तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन को देखते हुए सीओ सिटी राघवेंद्र सिंह, नगर कोतवाल सुरेश नारायण मिश्र समेत भारी पुलिस बल तैनात रहा। इस दौरान सपा अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव अशोक सिंह बिसेन, अमरीश, योगेश यादव, सुल्तान खान, मोनू, आसिफ खान, बिस्मिल्लाह, अमजद खान, अमित यादव, सुभाष यादव, सईद अहमद और अवधेश कुमार समेत कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

डायरिया रोको अभियान का शुभारम्भ, घर-घर पहुंचाएंगे डायरिया से बचाव के संदेश

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) का सोमवार को विधिवत शुभारम्भ करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा वल्लभ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्देव से प्रचार वाहनों को रवाना किया। डायरिया से डर नहीं स्लोगन वाले यह प्रचार वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर समुदाय को शून्य से पांच साल तक के बच्चों में डायरिया के लक्षण, कारण और बचाव आदि के बारे में जागरूक करेंगे।

इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए जनजागरूकता बहुत जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को डायरिया के बारे में जागरूक करेंगी और ओ.आर. एस. के पैकेट और जिंक की गोलियों का वितरण भी करेंगी। इसके साथ ही दस्त से प्रभावित बच्चों को निकटतम स्वास्थ्य केंद्र को संदर्भित करेंगी। दूसरी ओर डायरिया के प्रति जागरूकता सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर-बैनर से सुसज्जित यह प्रचार वाहन जन-जन तक डायरिया से डरने नहीं बल्कि सतर्क रहने का सन्देश पहुंचाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि जिले में 25 अगस्त तक चलने वाले डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के माध्यम से सहयोग कर रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बल्देव के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विजेंद्र सिंह सिसोदिया ने कहा कि डायरिया रोको अभियान के लिए ए. एन. एम और आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया है। आशा कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर लोगों को अवगत कराएंगी कि बारिश और उमस में बच्चा डायरिया की चपेट में कई कारणों से आ सकता है, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि तक जरूर दें। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए, साथ ही निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करना चाहिए।

इस अवसर पर उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुज चौधरी, जिला मातृ स्वास्थ्य सलाहकार मुकेश गौतम, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक विवेक सारस्वत, बीसीपीएम अजय कुमार, पीएसआई इंडिया से कोमल घई, अजय कुमार, चोब सिंह सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

'भगवान ने कहा कि मार दो, तो मार दिया...'

हमीरपुर में दादी को कुल्हाड़ी से काटने वाले हत्यारे पोते का कबूलनामा

आर्यावर्त संवाददाता

हमीरपुर। 80 वर्षीय दादी की हत्या करने वाले गजेंद्र के सिर पर मानो कि खून सवार था। यही कारण था कि वह करीब एक घंटे तक कुल्हाड़ी लेकर तांडव करता रहा। उसने पहले अपने चाचा समेत पत्नी और मां पर हमला बोला।

किसी तरह से इनकी जान बची तो उसने घर में अकेली रह रही दादी के पास पहुंचकर उनकी कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी और गला रस्सी के सहारे चारपाई से बांधने के बाद घर की दहलीज पर बैठा रहा।

मौके पर पहुंचे दारोगा पवन चौधरी ने जब उससे घटना का कारण पूछा तो आरोपित ने कहा कि भगवान जी ने कहा कि मार दो तो मार दिया। यह सुनकर मौके पर मौजूद पड़ोसी और पुलिस वाले सन्न रह गए।

पहले चाचा पर कुल्हाड़ी से किया हमला

रविवार की दोपहर कोतवाली राठ के मवई गांव में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक पारिवारिक नाती गजेंद्र ने अपनी ही 80 वर्षीय दादी शोभारानी की हत्या कर दी। युवक ने पहले खेत पर अपने पारिवारिक चाचा बहादुर पर कुल्हाड़ी से हमला किया। इसके बाद उसने अपनी पत्नी मनोज कुमार और मां सुमितरानी को भी मारने के इरादे से दौड़ा लिया। सभी ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई।

मृतका शोभारानी के पुत्र बहादुर ने बताया कि रविवार दोपहर करीब 12 बजे वह खेत पर मौजूद था। इसी दौरान आरोपित गजेंद्र कुल्हाड़ी लेकर खेत पहुंच गया और उस पर हमला कर दिया। इस दौरान कुल्हाड़ी उसके कान में जा लगी, जिससे वह घायल हो गया। बहादुर ने बताया कि इसके बाद आरोपित ने खेत में मौजूद अपनी पत्नी मनोज कुमारी और मां सुमितरानी को भी मारने के लिए दौड़ा लिया और अंत में घर जाकर उसने दोपहर करीब एक बजे उसकी बूढ़ी मां की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी।

एक घंटे तक सिर पर सवार रहा खून

करीब एक घंटे तक हत्यारोपित गजेंद्र के सिर पर खून सवार रहा और उसने अंत में अपनी ही दादी की हत्या कर डाली। आरोपित ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि उससे भगवान जी ने कहा कि मार दो तो उसने मार दिया। यह बात सुनकर पुलिस भी सन्न रह गई। फिलहाल पुलिस हर पहलू की जांच में जुटी है। वहीं घटना का कारण परिवारिक विवाद भी बताया जा रहा है लेकिन अभी तक इसकी कोई पुष्टि नहीं हो सकी है।

बीओबी ने मनाया 119वां स्थापना दिवस

कुड़वार/सुल्तानपुर। स्थानीय कस्बे में संचालित बीओबी शाखा ने अपना 119वां स्थापना दिवस शाखा के ग्राहकों के बीच मनाया।

सोमवार को शाखा प्रबंधक नरसिंह प्रसाद की अध्यक्षता में बैंक स्थापना दिवस मनाया गया।बैंक स्थापना दिवस पर गायकवाड़ के चित्र पर माल्यार्पण कर केक काटा गया। शाखा प्रबंधक ने कहा कि बीओबी की स्थापना 20 जुलाई 1908को महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ द्वारा बड़ोदरा से शुरू की गयी थी। तब से बैंक ग्राहकों की सेवा में निरन्तर आगे बढ़ रहा है। ग्राहकों की बेहतर सुविधा के लिए गांवों तक ग्राहक सेवा केन्द्र संचालित किया जा रहा है। जहां बीस हजार तक जमा निकासी की सुविधा मिल रही है।बैंक से केसीसी व अन्य लोन की सुविधाएं उपलब्ध हैं।इस समय बैंक के अन्तर्गत लगभग चालीस हजार ग्राहकों को सेवा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि बैंक 119 वर्ष से अनावरत बैंक ग्राहकों को सेवा दे रही थी। कुड़वार बैंक की बिजनेस लगभग 140करोड़ है।

150 रुपये में 8-10 साल की बच्चियों के अश्लील वीडियो बेचने वाला गिरफ्तार, गूगल अलर्ट से पकड़ा गया

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। बच्चियों के अश्लील वीडियो बनाने व बेचने वाले आरोपितों की करतूतें गूगल अलर्ट से अब सामने आने लगी हैं। गूगल अलर्ट से रविवार को ऐसा ही एक और मामला राष्ट्रीय लापता एवं शोषित बाल केंद्र (एनसीएमईसी) के पोर्टल पर पहुंचा, जिसमें एक युवक द्वारा आठ से 10 साल की बच्चियों के अश्लील वीडियो इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर बेचने की शिकायत आई थी।

साइबर सेल की टीम ने मोबाइल फोन की आइएमईआइ रन कराकर जाजमऊ के लारी कंपाउंड शिवाशी टेनरी निवासी युवक दबोच लिया। उसके पास से दो मोबाइल फोन पर दर्जनों अश्लील वीडियो मिले हैं।

राष्ट्रीय लापता एवं शोषित बाल केंद्र के पोर्टल पर गूगल ने अलर्ट दिया। इसमें एक शिकायत दर्ज कराई गई कि एक मोबाइल फोन के टेलीग्राम, इंस्टाग्राम प्लेटफॉर्म पर एक युवक आठ से 10 साल की बच्चियों की अश्लील वीडियो अपलोड कर बेच रहा है। उसने कई वीडियो क्लिप भी डाली है।

100 से 150 रुपये में बेचता था वीडियो

इस आधार पर साइबर सेल ने गूगल से मिले मोबाइल फोन नंबर और उस फोन के आइएमईआइ को ट्रेस कर जाजमऊ लारी कंपाउंड शिवाशी टेनरी पहुंची। टीम ने अश्लील वीडियो बेचने वाले मो.नोमान को पकड़ा।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह इंटरनेट मीडिया से मिले अश्लील वीडियो 100 से 150 रुपये में वीडियो बेचता था। साइबर थाना प्रभारी सतीश यादव ने बताया कि आरोपित के खिलाफ आइटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बुजुर्ग दंपती ने ट्रेन से कटकर जान दी, पटरी पर रखा सिर, धड़ हुआ अलग

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। जिंदगीभर सुख-दुख, संघर्ष और जिम्मेदारियों में साथ निभाने वाले बुजुर्ग दंपती ने आखिरकार मौत का सफर भी एक साथ चुन लिया। उम्र के आखिरी पड़ाव पर लंबी बीमारी से हुए मानसिक तनाव ने उन्हें इस कदर तोड़ दिया कि जीने की उम्मीद ही हार बैठे। शनिवार देर रात दोनों ने सहारनपुर-अंबाला रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। रविवार को उनकी पहचान सरसावा के गांव बिन्नाखेड़ी निवासी अतर सिंह (72) और उनकी पत्नी अनीता (68) के रूप में हुई। यह घटना बुजुर्गों के अकेलेपन, बीमारी और मानसिक पीड़ा की बेहद मार्मिक तस्वीर है।

थाना सरसावा क्षेत्र के गांव बिन्नाखेड़ी निवासी अतर सिंह और उनकी पत्नी अनीता शनिवार को कस्बे के ही एक निजी क्लीनिक पर दवा लेने गए थे। अनीता मधुमेह (शुगर) की मरीज थीं, जबकि उनके पति अतर सिंह पैरालाइसिस से पीड़ित थे। दोनों लंबे समय से उपचार करा रहे थे। नियमित रूप से दवा लेने सरसावा के क्लीनिक पर जाते थे। शनिवार को भी क्लीनिक पर जाने के लिए उन्होंने घर से बाइक उठाई, लेकिन गांव के बाहर परिवार के ही सदस्य के घर पर बाइक खड़ी कर दी। इसके बाद ग्रामीण रामपाल सैनी उन्हें अपनी बाइक से सरसावा तक छोड़ने आए।

ये बोले सीओ

पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बुजुर्ग दंपती ने रेलवे ट्रैक पर सिर रखकर आत्महत्या की थी, जिनके ऊपर से ट्रेन गुजर गई थी। परिजनों की तरफ से अभी तक कोई तहरीर नहीं आई है।
– रविकांत पाराशर, क्षेत्राधिकारी प्रथम

रामपाल ने बताया कि रास्ते भर अतर सिंह से बातचीत हुई थी। बातचीत के दौरान किसी तरह की परेशानी या पारिवारिक विवाद का संकेत भी नहीं मिला। रविवार की सुबह अतर सिंह के बेटों को बुजुर्ग दंपती की मौत की सूचना मिली। क्योंकि शनिवार की रात उनके माता-पिता घर नहीं लौटे थे तो उनको शक हुआ कि कहीं उनके माता-पिता ही तो नहीं। इसके बाद उन्होंने जिला अस्पताल पहुंचकर शवों की पहचान की। पुलिस जांच में सामने आया कि बुजुर्ग दंपती बीमारी के कारण मानसिक तनाव से गुजर रहे थे। प्रारंभिक जांच में आया है कि दोनों ने रेलवे ट्रैक पर सिर रखकर आत्महत्या की है।

यह थी घटना

शनिवार देर रात थाना कुतुबशेर पुलिस को सूचना मिली कि बड़ी नहर के ऊपर से गुजर रहे सहारनपुर-अंबाला रेलवे ट्रैक पर एक महिला और पुरुष के शव पड़े हुए हैं। पुलिस और जीआरपी ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की, लेकिन रात में दोनों की पहचान नहीं हो सकी। महिला के शरीर से धड़ अलग था, जबकि बुजुर्ग का चेहरा क्षत-विक्षत था, जिनका शव साइड में पड़ा था।

परिवार में दो बेटे और दो बेटी, सभी की हो चुकी है शादी

अतर सिंह के परिवार में दो बेटे और दो बेटी हैं। बड़ा बेटा शिवकुमार यमुनानगर में मजदूरी करता है, जबकि छोटा बेटा विनोद है। बेटी की शादी मानकमऊ में हुई है। दूसरी बेटी की शादी रामपुर मनिहारान में हुई है। छोटा बेटा विनोद विद्युत निगम में कार्यरत है।

भूमिया खेड़ा पर भंडारे में हुए थे शामिल, दिया था दान

ग्रामीणों के मुताबिक, अतर सिंह और उनकी पत्नी अनीता शनिवार को गांव में भूमिया खेड़ा पर भंडारे में शामिल हुए थे। इससे पहले अतर सिंह ने अपनी पत्नी से कहा था कि बाल कटवाकर आ रहा हूं। इसके बाद दोनों भंडारे में चले गए। वहां पर दोनों ने दान भी दिया था।

घरेलू विवाद के बिंदु पर भी जांच कर रही पुलिस

पुलिस मामले में घरेलू विवाद के बिंदु पर भी काम कर रही है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले किसी बात को लेकर घर में विवाद हुआ था, लेकिन इस संबंध में कोई तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस ने अपनी जांच में इस बिंदु को भी शामिल किया है, ताकि विवाद होने का पता चल सके।

साथ जीए, साथ ही दुनिया छोड़ गए

अतर सिंह और उनकी पत्नी अनीता की मौत से गांव का हर कोई व्यक्ति स्तब्ध है। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। अतर सिंह और अनीता का पूरा परिवार है। इसके बावजूद दोनों का इतना बड़ा कदम उठाना लोगों के लिए हैरानी का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों पति-पत्नी के बीच गहरा स्नेह था और वह अधिकांश समय साथ ही रहते थे। अतर सिंह ही हमेशा अपनी बीमार पत्नी को दवाई दिलवाने जाते थे। यह समझ से परे है कि दोनों ने एक साथ अपनी जीवनलीला समाप्त करने का कठोर निर्णय लिया।

डाकघर में उपभोक्ता से बदसलूकी

सुल्तानपुर। आम जनता की मेहनत की कमाई जमा कराने वाले डाकघर में एक उपभोक्ता के साथ कथित अभद्रता का मामला सामने आया है। समय से पूर्व अपनी आरडी खातों का भुगतान लेने पहुंचे उपभोक्ता को न केवल कथित तौर पर फटकार लगाई गई, बल्कि यह कहकर काउंटर से भगा दिया गया कि मेरे पास समय नहीं है। घटना का वीडियो भी सोमवार दोपहर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, पखरौली गांव निवासी सुरेश कुमार के सुल्तानपुर डाकघर में 10 आरडी खाते संचालित हैं। निजी आवश्यकता के चलते सोमवार को वह समय से पूर्व भुगतान के लिए निर्धारित फॉर्म भरकर काउंटर सहायक पवन कुमार के पास पहुंचे। आरोप है कि भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने का अनुरोध करते ही कर्मचारी का व्यवहार बदल गया और उन्होंने उपभोक्ता के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए उन्हें डांटकर वहां से भगा दिया।

मुख्यमंत्री योगी ने किया महादेवा कॉरिडोर का शिलान्यास, सपा पर कसा तंज, कहा- 'पहले नारा था... देख सपाई, बिटिया घबराई'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को बाराबंकी के रामनगर विधानसभा क्षेत्र स्थित श्री लोधेश्वर महादेव धाम पहुंचे। सुबह करीब साढ़े 10 बजे हेलीकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने सबसे पहले श्री लोधेश्वर महादेव मंदिर में पूरे विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। इसके बाद उन्होंने निर्माणाधीन महादेवा कॉरिडोर का अवलोकन किया, श्रावण मास मेले की तैयारियों और श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामनगर और दरियाबाद विधानसभा क्षेत्रों के लिए 542.41 करोड़ रुपये की लागत वाली 82 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया और जनसभा को संबोधित किया।

'लोधेश्वर महादेव कॉरिडोर बनने से श्रद्धालुओं को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं'

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सोमवार के दिन लोधेश्वर महादेव के दर्शन कर मन शांत और प्रफुल्लित हो उठा। उन्होंने कहा कि देश 1947 में आजाद हो गया, लेकिन आज तक लोधेश्वर महादेव का समुचित विकास नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने कब्रिस्तान की बाउंड्री पर ध्यान दिया, लेकिन लोधेश्वर महादेव, पारिजात वृक्ष और हॉकी के महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू जैसी ऐतिहासिक धरोहरों की उपेक्षा की गई। अब महादेवा कॉरिडोर बनने के बाद यहां दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी तर्ज पर गोला गोकरणनाथ और मां विंध्यवासिनी धाम का भी विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज काशी और अयोध्या आने वाले श्रद्धालु वहां की व्यवस्थाओं को देखकर आनंदित होते हैं।

केडी सिंह बाबू की हवेली को बनाया जाएगा संग्रहालय

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में केडी सिंह बाबू की हवेली बिकने की नौबत आ गई थी, लेकिन उनकी सरकार ने हवेली को बिकने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने उसकी कीमत चुकाकर अब उसे भव्य संग्रहालय के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद और केडी सिंह बाबू ने भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। ऐसे महान खिलाड़ियों की स्मृतियों को संरक्षित करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने जनपद से जुड़े महापुरुषों का उल्लेख करते हुए कहा कि महाराजा सुहेलदेव ने जिस स्थान पर सालार मसूद को पराजित किया था, वहां उनकी सरकार ने भव्य सुहेलदेव कॉरिडोर का निर्माण कराया है। सरकार उन सभी महापुरुषों को सम्मान देने का कार्य कर रही है जिन्होंने देश और समाज के लिए योगदान दिया।

542 करोड़ की 82 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने बताया कि कुल 82 परियोजनाओं में 56 परियोजनाओं का शिलान्यास 409 .09 करोड़ रुपये तथा 28 परियोजनाओं का लोकार्पण 133 .31 करोड़ रुपये की लागत से किया गया। इन परियोजनाओं में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित किए जा रहे भव्य महादेवा कॉरिडोर का शिलान्यास भी प्रमुख रूप से शामिल है।

सपा और कांग्रेस पर साधा राजनीतिक निशाना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस सनातन धर्म को बांटने का काम करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार में जनता का पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री पर खर्च किया जाता था, जबकि महापुरुषों और धार्मिक स्थलों के विकास पर ध्यान नहीं दिया गया।

उन्होंने कहा कि सपा सरकार में कांवड़ यात्रा, जन्माष्टमी और दुर्गा अष्टमी जैसे आयोजनों पर रोक लगाने की कोशिश की जाती थी। साथ ही कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उस समय प्रदेश में अवैध हथियार और बम बनाने का काम होता था, जबकि आज लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार किसी के साथ भेदभाव नहीं करती, लेकिन यदि कोई बेटियों या व्यापारियों को परेशान करेगा तो उसकी जगह जेल या जहन्नुम में होगी।

'आज यूपी की पहचान बदल चुकी है'

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जब लोग उत्तर प्रदेश का नाम सुनते थे तो संदेह की नजर से देखते थे, लेकिन आज प्रदेश की सकारात्मक पहचान बनी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और विकास को नई गति मिली है।

पूर्ववर्ती सरकारों पर भ्रष्टाचार के आरोप

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम पर लखनऊ में बन रही जीपीएनआईसी बिल्डिंग वर्षों तक अधूरी रही और उसमें भी भ्रष्टाचार हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और गोमती रिवर फ्रंट परियोजना में भी पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान लूट हुई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने जनता को लूटने का काम किया, जबकि वर्तमान सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के हित में कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब सरकारी नौकरियां बिना भ्रष्टाचार के दी जा रही हैं और प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बाढ़ सुरक्षा के लिए भी व्यापक इंतजाम किए हैं।

'बाराबंकी के दोनों हाथों में लड्डू'

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाराबंकी के लिए सबसे बड़ी बात यह है कि एक ओर लखनऊ और दूसरी ओर अयोध्या है। दोनों शहरों का विकास निश्चित रूप से बाराबंकी को भी लाभ पहुंचाएगा। उन्होंने जनता से समाजवादी पार्टी और कांग्रेस से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि यदि वे सत्ता में आए तो जनता का नुकसान करेंगे।

लोधेश्वर मंदिर के सामने सड़क होगी फोरलेन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोधेश्वर महादेव मंदिर के सामने की सड़क को फोरलेन बनाने के निर्देश जिलाधिकारी बाराबंकी को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव भेजते ही सरकार इसके लिए धन उपलब्ध कराएगी।

खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश शर्मा की सराहना

मुख्यमंत्री ने दरियाबाद विधायक एवं खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वे केवल अपनी विधानसभा ही नहीं, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। राशन वितरण व्यवस्था में कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाई गई है और गरीबों को उनके हिस्से का राशन मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस बार बाराबंकी की सभी छह विधानसभा सीटों पर भाजपा के विधायक बनने चाहिए। उन्होंने रामनगर विधानसभा का जिक्र करते हुए कहा कि यहां सपा विधायक के जीतने के बाद विकास कार्य प्रभावित हुए हैं।

जवाहर भवन के चौथे तल पर लगी भीषण आग, दमकलकर्मी बुझाने में जुटे, ब्रजेश पाठक मौके पर पहुंचे

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार सुबह करीब 9:40 बजे जवाहर भवन के चौथे तल पर आग लग गई। आग की लपटें और धुआं देख लोगों में अफरातफरी मच गई। कर्मचारियों ने आग की सूचना अधिकारियों और फायर ब्रिगेड को दी। 10 बजे के करीब पहुंची फायर ब्रिगेड टीम आग पर काबू पाने में जुटी है। सूचना मिली तो डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। इंदिरा भवन जवाहर भवन कर्मचारी संघ के पंकज मेहरोत्रा ने बताया कि जिस तल पर आग लगी है। इस पर कैंटीन, मलेरिया विभाग सहित कई अन्य कार्यालय हैं।

जवाहर भवन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पांडे ने बताया कि जवाहर भवन की चौथी मंज़िल पर बने कैफेटेरिया में आग लग गई है। दमकल विभाग के कर्मचारी इसे बुझाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, स्थिति अभी भी काबू में नहीं है। शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि आग चौथी मंजिल के कैफेटेरिया से शुरू हुई थी। PWD के कर्मचारियों ने पहले आग बुझाने के उपलब्ध सिस्टम का इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से बेकाबू होती जा रही थी। तीन-चार दमकल गाड़ियां पहुंच चुकी हैं और आग पर काबू पाने की लगातार कोशिशें जारी हैं। अच्छी बात यह है कि सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए हैं। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन संपत्ति को भारी नुकसान होने की आशंका है।

सहकारिता किसानों की समृद्धि का सबसे प्रभावी माध्यम : ए. के. शर्मा

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने सोमवार को जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, मऊ की मधुबन शाखा के नवीन भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने नवीन भवन के निर्माण पर क्षेत्रवासियों, बैंक प्रबंधन और सहकारी समिति के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि यदि पूर्ववर्ती सरकारों ने सहकारी बैंकों और समितियों पर समय रहते ध्यान दिया होता तो ऐसे आधुनिक भवन वर्षों पहले बन चुके होते।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार देश में सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया और ₹सहकारिता से समृद्धि₹ का लक्ष्य निर्धारित किया गया। उन्होंने कहा कि आज सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किसानों को कम ब्याज दर पर ऋण, गुणवत्तापूर्ण बीज, खाद और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

○ संक्षेप ○

लखनऊ में दो मोबाइल स्नैचिंग की वारदातों का खुलासा, लूटे गए मोबाइल और बाइक बरामद

लखनऊ। राजधानी के गुडम्बा थाना क्षेत्र में महिलाओं से मोबाइल स्नैचिंग की दो घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन बाल अपचारियों को संरक्षण में लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दोनों लूटे गए मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामदगी के आधार पर संबंधित मुकदमों में अतिरिक्त धाराएं भी बढ़ाई गई हैं।पुलिस के अनुसार, अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार तड़के मुखबिर की सूचना पर थाना गुडम्बा पुलिस ने जानकी प्लाजा सर्विस रोड के पास कार्रवाई करते हुए तीन संदिग्ध बाल अपचारियों को संरक्षण में लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुए, जो थाना गुडम्बा में दर्ज दो अलग-अलग मोबाइल स्नैचिंग के मुकदमों से संबंधित पाए गए।पूछताछ में तीनों बाल अपचारियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने 3 जुलाई 2026 की रात थाना गुडम्बा क्षेत्र में मोटरसाइकिल से घूमते हुए दो महिलाओं से अलग-अलग स्थानों पर मोबाइल फोन छीने थे। पुलिस के मुताबिक, पहली वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से चले गए और कुछ समय बाद उसी रात लौटकर दूसरी महिला से भी मोबाइल फोन छीन लिया। बरामद दोनों मोबाइल फोन इन्हीं घटनाओं में छीने गए बताए गए हैं।पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल संख्या UP41 AF 1974 भी बरामद कर ली। वाहन के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर उसे मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया।

हज-2027 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 24 जुलाई तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

लखनऊ। हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने सर्कुलर-3 जारी कर हज-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई, 2026 से बढ़ाकर 24 जुलाई, 2026 कर दी है। इच्छुक आवेदक अब निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।हज-2027 के इच्छुक आवेदकों से अपील की गई है कि वे हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर जाकर शीघ्र ऑनलाइन आवेदन पूरा करें। जिन आवेदकों ने पंजीकरण तो करा लिया है, लेकिन किसी कारणवश आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए हैं, वे भी 24 जुलाई तक अपना आवेदन पूर्ण कर लें। निर्धारित समय सीमा के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।हज कमेटी ने यह भी कहा है कि जिन आवेदकों को अभी तक भारतीय अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट प्राप्त नहीं हुआ है, वे तत्काल संबंधित पासपोर्ट कार्यालय से संपर्क कर पासपोर्ट प्राप्त करें, ताकि अंतिम तिथि से पहले आवेदन प्रक्रिया पूरी की जा सके। हज यात्रियों के चयन के लिए 30 जुलाई, 2026 को मुंबई स्थित हज हाउस में ऑनलाइन कुर्रा (डिजिटल रैंडम चयन) किया जाएगा। चयनित हज यात्रियों की सूची हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी तथा चयन की सूचना एसएमएस के माध्यम से भी भेजी जाएगी।चयनित सभी हज यात्रियों को 10 अगस्त, 2026 तक 1,52,300 रुपये की अग्रिम धनराशि हज कमेटी ऑफ इंडिया के खाते में जमा करनी होगी।

विवाहिता की कथित दहेज हत्या और शव गायब करने के मामले में ससुर, ननद और भांजा गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी के इटौंजा थाना क्षेत्र में विवाहिता हिमांशी की कथित दहेज हत्या और शव गायब करने के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे तीन और आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इससे पहले इस मामले में पति, सास और एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस पूरे प्रकरण की गहन जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार, 13 जुलाई 2026 को सीतापुर जनपद के मछली मंडी क्षेत्र निवासी पवन कुमार कश्यप ने इटौंजा थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनकी 26 वर्षीय पुत्री हिमांशी को ससुराल पक्ष द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जाता था। आरोप है कि मारपीट के बाद उसकी हत्या कर दी गई और शव को गायब कर दिया गया।तहरीर के आधार पर थाना इटौंजा में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 80(2), 85, 238, 3(5) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत पति प्रदीप गौड़, सास सुनीता, ससुर श्रीराम, जेठ संदीप गौड़, ननद प्रीती, ननद राखी और प्रीती के पुत्र शिवा उर्फ लकी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान 17 जुलाई को पुलिस ने पति प्रदीप, सास सुनीता और ननद राखी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।इसके बाद फरार चल रहे ससुर श्रीराम, ननद प्रीती गौड़ और प्रीती के पुत्र शिवा गौड़ को 19 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर इटौंजा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

प्रदेश में महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाएं स्थापित कर रही सरकार, कई नई मूर्तियों का निर्माण जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के महापुरुषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, साहित्यकारों और भारतीय संस्कृति को समृद्ध बनाने वाले विभूतियों की स्मृति को संरक्षित करने के लिए विभिन्न जनपदों में उनकी प्रतिमाएं स्थापित करा रही है। संस्कृति विभाग द्वारा कई स्थानों पर प्रतिमाओं की स्थापना पूरी कर ली गई है, जबकि कई अन्य परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है।प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को बताया कि संस्कृति विभाग का उद्देश्य देश और समाज के निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले महापुरुषों के जीवन और कृतित्व को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। इसी क्रम में अयोध्या के सूर्यकुंड में भगवान सूर्य नारायण की छह फीट ऊंची सैंड स्टोन प्रतिमा, गणेश कुंड में भगवान गणेश की 10 फीट ऊंची सैंड स्टोन प्रतिमा तथा अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि की छह फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा स्थापित की जा चुकी है।उन्होंने बताया कि कासगंज रेलवे पुल के निकट शहीद स्थल, एटा में बाबू कल्याण सिंह की 12 .5 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा, महमूदाबाद (सीतापुर) में महंत अवैद्यनाथ की 12 .5 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा, प्रयागराज में कमला बहुगुणा की छह फीट कांस्य प्रतिमा तथा फर्रुखाबाद के जहानगंज रोड स्थित क्षत्रिय भवन में महाराणा प्रताप की 12 .5 फीट ऊंची अश्वारोही प्रतिमा स्थापित की जा चुकी है।पर्यटन मंत्री ने बताया कि बांदा के कालों कुआं चौराहे पर वीरांगना अवंतीबाई की 12 .5 फीट ऊंची अश्वारोही कांस्य प्रतिमा का निर्माण कार्य चल रहा है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के लिए चारा और स्वास्थ्य सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों : धर्मपाल सिंह

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बाढ़ संभावित और जलभराव वाले क्षेत्रों में गोवंश एवं अन्य पशुओं के लिए भूसे और हरे चारे की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु को देखते हुए पशुओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा, संक्रामक रोगों की रोकथाम तथा गो-आश्रय स्थलों की समुचित व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता है।सोमवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय में विभागीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने कहा कि जलभराव की आशंका वाले क्षेत्रों में गो-आश्रय स्थलों का चिन्हांकन पहले से कर लिया जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर रखा जा सके। उन्होंने पशुओं में संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए संचालित टीकाकरण अभियान को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश भी दिए।धर्मपाल सिंह ने मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अंतर्गत 20 जुलाई से 3 अगस्त 2026 तक चलने वाले विशेष गोवंश सुपुर्दगी अभियान को मिशन मोड में संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक पात्र किसानों और पशुपालकों को इससे जोड़ा जाए। गोवंश सुपुर्दगी की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से पूरी हो तथा सुपुर्द किए गए गोवंशों का नियमित सत्यापन, स्वास्थ्य परीक्षण और देखभाल सुनिश्चित की जाए। उन्होंने गो-आश्रय पोर्टल पर समय से प्रविष्टियां दर्ज कर लाभार्थियों को भरण-पोषण की धनराशि समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

केजीबीवी की बेटियों ने बढ़ाया उत्तर प्रदेश का मान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बेटियों की शिक्षा और खेल प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है। सोमवार को राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी), औरास (उन्नाव) की पूर्व छात्राएं एवं क्रिकेट खिलाड़ी अर्चना देवी और निशा वर्मा ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी से मुलाकात कर अपने संघर्ष, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को साझा किया।प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार में बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के माध्यम से वंचित वर्ग की बेटियों को केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं, बल्कि खेल, कौशल विकास और आत्मविश्वास के अवसर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

जौहर यूनिवर्सिटी और सोनम वांगचुक के समर्थन में सपा यूथ ब्रिगेड का प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी पर हो रही कार्रवाई और लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में विधानसभा की ओर मार्च करने का प्रयास किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार की नीतियों के विरोध में प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया।प्रदर्शनकारियों के हाथों में किताबें थीं, जिन पर एक खिलौना बुल्डोजर रखा गया था और उसे लोहे की जंजीरों से बांधा गया था। कार्यकर्ता बैनर और पोस्टर लेकर विधानसभा की ओर बढ़े, लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया।पुलिस द्वारा रोके जाने के विरोध में कई कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए और कुछ कार्यकर्ता सड़क पर लेट

गए। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 10 से 12 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर पुलिस बस के माध्यम से ईको गार्डन धरना स्थल भेज दिया। पुलिस ने कुछ ही मिनटों में प्रदर्शन स्थल को खाली करा दिया।प्रदर्शन में शामिल सपा नेता उदय सिंह ने आरोप लगाया कि मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई की जा रही है। उनका कहना था कि यदि निष्पक्ष जांच कराई जाए तो अन्य संस्थानों और कार्यालयों के निर्माण संबंधी मामलों की भी समान रूप से जांच होनी चाहिए।वहीं, प्रदर्शनकारी मनीष कुमार ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था के प्रति नकारात्मक रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से जुड़े मुद्दों और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर हैं।

'पेपर लीक से लेकर बेरोजगारी तक', मायावती ने सरकार पर दागे सवाल, बोलीं- अफसरों पर भी हो कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत के बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने देश में पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं की बेरोजगारी को लेकर केंद्र व राज्य सरकारों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सदन से लेकर सड़कों और दिल्ली के जंतर-मंतर तक में विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर टकराव की स्थिति है। परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं से करोड़ों युवाओं का भविष्य अधर में है। सरकारों को इस पर सख्त कदम उठाने चाहिए।

मायावती ने सोशल मीडिया पर जारी लंबी पोस्ट में कहा कि मेडिकल और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक और रद्द होने की घटनाओं से युवाओं में भारी नाराजगी है। उन्होंने मांग की कि परीक्षा व्यवस्था से जुड़े दोषियों और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई तय की जाए। ताकि, युवाओं का भविष्य असुरक्षा और अंधकार से बचाया जा सके।

शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की अपील

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी के कारण निजी स्कूलों और कोचिंग संस्थानों का तेजी से विस्तार हो रहा है। महंगाई के दौर में भी परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए आर्थिक बोझ उठाने को मजबूर हैं। उन्होंने सरकारों से कोचिंग संस्थानों पर भ्रष्टाचार-मुक्त निगरानी रखने और प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की अपील की।

आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे लोग

भीमायावती आगे ने कहा कि युवा आउटसोर्सिंग जैसी अस्थायी और कम वेतन वाली नौकरियों के बजाय सम्मानजनक एवं स्थायी रोजगार चाहते हैं। भीमराव आंबेडकर के आदर्शों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षित, सुरक्षित और कल्याणकारी भारत का निर्माण ही देश की प्रगति का आधार है। यदि समय रहते समाधान नहीं निकाला गया तो जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के हो रहे आंदोलन की तरह का ही रास्ता अपनाने के लिए युवाओं को मजबूर होना पड़ेगा।

लापता युवक के कथित अपहरण मामले में एक आरोपी गिरफ्तार, पुलिस को पूछताछ में मारपीट कर छोड़ने की बात बताई ; तलाश जारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के चिनहट थाना क्षेत्र में लापता युवक गुलफाम अहमद के कथित अपहरण के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस अब लापता युवक की तलाश तेज कर चुकी है, जबकि घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।पुलिस के अनुसार, 2 जून 2026 को 22 वर्षीय गुलफाम अहमद के लापता होने पर चिनहट थाने में गुमशुदगी दर्ज की गई थी। मामले की जांच उपनिरीक्षक रितेश सिंह को सौंपी गई थी। इसके बाद 19 जुलाई को गुलफाम के भाई इस्तियाक अहमद, निवासी ग्राम ज्ञानीपुर, थाना शिवगढ़, जनपद सुल्तानपुर की तहरीर पर गुमशुदगी को अपहरण के मामले में परिवर्तित करते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 140(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने तत्काल युवक की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया। जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध के रूप में चिन्हित समीर (22), निवासी कंचनपुर मटियारी, थाना चिनहट, को डूडा कॉलोनी, हरदाशी खेड़ा क्षेत्र से हिरासत में लेकर पूछताछ की।पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि सीएनजी पंप पर वाहन आगे बढ़ाने को लेकर गुलफाम अहमद से उसका विवाद हो गया था। आरोपी के कथन के अनुसार, विवाद के बाद उसने अपने साथियों आदिल, साहिल और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति के साथ मिलकर गुलफाम को जबरन वाहन में बैठाया और उसके साथ मारपीट की। आरोपी ने पुलिस को बताया कि मारपीट के बाद गुलफाम को बाराबंकी के देवा रोड के पास किसी स्थान पर सड़क किनारे छोड़ दिया गया।

परमाणु संयंत्र का डाटा लीक हो गया, क्या ऐसी साइबर सुरक्षा के भरोसे आगे बढ़ेगा डिजिटल इंडिया?

देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में शामिल तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़े हजारों गोपनीय दस्तावेज कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। हम आपको बता दें कि रैनसमवेयर गिरोह ₹वर्ल्ड लीक्स₹ ने दावा किया है कि उसने संयंत्र से संबंधित 19 हजार से अधिक संवेदनशील फाइलें डार्क वेब पर जारी कर दी हैं। इन दस्तावेजों को लगभग 8 लाख 58 हजार फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे परियोजना से जुड़े ठेकेदार रिलायंस समूह के डाटा से चुराया गया है। हालांकि इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी विशेषज्ञ इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर मामला मान रहे हैं।

इस बीच, रिलायंस समूह ने मीडिया को बताया कि तीसरे पक्ष के भारतीय डाटा सेंटर प्रदाता योट्टा के सर्वर पर रखे गए उसके डाटा में आंशिक सेंधमारी हुई है। कंपनी के अनुसार सरकार को इस घटना की जानकारी दे दी गई है, लेकिन किस प्रकार का डाटा प्रभावित हुआ, इसका खुलासा नहीं किया गया। दूसरी ओर योट्टा ने कहा कि उसने 29 मई को सर्वर पर संदिग्ध गतिविधियों का पता लगा लिया था और संदिग्ध रैनसमवेयर को सक्रिय होने से रोक दिया गया था। बाद में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने संभावित डाटा लीक के दावे की जानकारी दी। कंप्यूटरविज्ञान

हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं। इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकर्ताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, क्योंकि वह रूस की सरकारी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

फिर भी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी जानकारी शत्रुतापूर्ण तत्वों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी हमलावर को यह जानकारी मिल जाए कि परियोजना में किन व्यक्तियों, ठेकेदारों और प्रणालियों की पहुंच कहां तक है, तो वह प्रत्यक्ष रूप से परमाणु रिएक्टर पर हमला किए बिना भी उससे जुड़ी सहायक व्यवस्थाओं, आपूर्ति श्रृंखला या तीसरे पक्ष की प्रणालियों को निशाना बना सकता है। इससे परियोजना के संचालन, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर अप्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न हो सकता है।

इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। परमाणु ऊर्जा विभाग और प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि संबंधित हैकर गिरोह पहले भी कई प्रमुख औद्योगिक संस्थानों को निशाना बना चुका है। देखा जाये तो यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना पर साइबर हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। एक साइबर सुरक्षा कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष भारत में लगभग दो करोड़ नवासी लाख खाते किसी न किसी रूप में डाटा समझौते का शिकार हुए, जिससे भारत विश्व के सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा। वहीं हाल के एक औद्योगिक सर्वेक्षण में पाया गया कि 73 प्रतिशत भारतीय संस्थानों को यह तक जानकारी नहीं थी कि वे कभी साइबर हमले का शिकार हुए हैं या नहीं, जबकि 57 प्रतिशत संस्थानों में बुनियादी साइबर उपायों का भी अभाव है।

देखा जाये तो कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना केवल बिजली उत्पादन का केंद्र नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु क्षमता और सामरिक आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार भी है। इस परियोजना पर किसी भी प्रकार का साइबर हमला या गोपनीय सूचनाओं का लीक होना सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। आधुनिक युद्ध में साइबर क्षेत्र को भूमि, जल, वायु और अंतरिक्ष के समान ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में महत्वपूर्ण अवसंरचना से संबंधित सूचनाओं का दुरुपयोग कर शत्रु देश या संगठित साइबर अपराधी बिना प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई के भी रणनीतिक दबाव बना सकते हैं।

मंदिरों में भ्रष्टाचारः वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

ललित गर्ग

> भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। 'राष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोग' जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है। मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में 'समान मन्दिर दर्शन नीति' लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है।

इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है।

मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है। भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। 'राष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोग' जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा कौन देगा? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए। आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मंदिर प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-आधारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा। याद रखना होगा कि मंदिरों की सबसे बड़ी संपत्ति उनका स्वर्ण, रजत या चढ़ावा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों का विश्वास है। यदि विश्वास टूट गया तो सबसे भव्य मंदिर भी अपनी आत्मा खो देगा।

व्यंग्य

समूल सुधार की जरूरत

नीट-यूजी, जेईई, सीयूईटी आदि जैसी परीक्षाओं का मौजूदा ढांचा कोई संयोगवश सामने नहीं आया है। यह नीतिगत प्राथमिकताओं का परिणाम है। पूर्व चेतावनियों के बावजूद केंद्र ने इन्हें विभिन्न स्तरों पर लागू किया है।

पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी की अनवरत घटनाओं से भड़के युवा असंतोष के बीच शिक्षा मंत्रालय की नौ सदस्यीय कमेटी इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि कोचिंग संस्थानों का दबदबा तमाम बुराइयों का मूल कारण है। कमेटी के मुताबिक इन संस्थानों को विनियमित करने की जरूरत है, लेकिन यह सिर्फ औचक निरीक्षण या गुमराह करने वाले इश्तहारों पर रोक लगा कर नहीं किया जा सकता। इसके लिए एक राष्ट्रीय कानून बनाने और नीट-यूजी, जेईई, और सीयूईटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं का डिजाइन बदलने की जरूरत होगी। डिजाइन ऐसा होना चाहिए, जिससे छात्रों की कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता घटे।

जून 2025 में शिक्षा मंत्रालय ने उच्चतर शिक्षा सचिव विनीत जोशी की अध्यक्षता में ये कमेटी बनाई थी। मकसद कोचिंग संस्थानों के 'डमी स्कूलÓ बन जाने की समस्या से निजात और प्रवेश परीक्षाओं की स्वच्छता सुनिश्चित करने के बारे में सुझाव देना था। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक कमेटी ने अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट तैयार कर ली है। संभवतः दो हफ्तों में वह अंतिम रिपोर्ट सरकार को सौंप देगी। मगर ड्राफ्ट रिपोर्ट के बारे में सामने आई जानकारियों से नहीं लगता कि समिति समस्या की जड़ तक पहुंची है। नीट, जेईई, सीयूईटी जैसी परीक्षाओं का मौजूदा ढांचा कोई संयोगवश सामने नहीं आया है। यह नीतिगत प्राथमिकताओं का परिणाम है। सीयूईटी का प्रस्ताव जब आया, तो चेतावनी दी गई थी कि इससे स्कूली पढ़ाई का महत्त्व घटेगा और कोचिंग संस्थानों का धंधा बढ़ेगा।

फिर भी नरेंद्र मोदी सरकार ने कॉलेजों में दाखिले के लिए ये नया सिस्टम लागू किया। और फिर समस्या सिर्फ इलीट परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। पिछले हफ्ते ही महाराष्ट्र में टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट का पेपर लीक हो गया। परीक्षा आयोजन में ऐसी गड़बड़ियां देश भर में और जड़ तक पहुंच चुकी हैं। उनके रहते ऊपरी परीक्षाओं को दोषमुक्त बना लिया जाएगा, यह सोच अपने-आप में समस्याग्रस्त है। अतः जोशी कमेटी की सिफारिशों से मीडिया और आम चर्चाओं को फौरी तौर पर मैनेज करने में भले कुछ कामयाबी मिल जाए, उनसे ध्वस्त होती परीक्षा व्यवस्था नहीं संभलेगी। उसके लिए जिस समग्र और समूल सुधार की जरूरत है, वह फिलहाल सरकार की सोच से बाहर है।

ब्लॉग

बांकीपुर उपचुनाव 2026: भाजपा उम्मीदवार के यकायक बदलाव से उभरने लगे सुलगते सवाल?

कमलेश पांडे

भोजपुरी में एक कहावत है- लइका मालिक, बूढ़ दीवान, मामला बिगड़े साँझ बिहान। यानी कि जिस घर का लड़का मालिक होता है और बूढ़ा व्यक्ति दीवान मतलब सलाहकार की भूमिका में आ जाता है तो वहां अच्छे और कार्यकुशल सुझावों पर भी विलंब से निर्णय होने के चलते मामला साँझ यानी शाम से सुबह तक कभी भी उलझ यानी बिगड़ जाता है। यदि पुरानी कुछ बातों को भूला भी दिया जाए तो हाल ही में बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा द्वारा घोषित उम्मीदवार अभिषेक कुमार सिन्हा (बंटी) का नामांकन वापस लेकर नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाए जाने से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की काफी किरकिरी हुई है।

चूंकि उनका चयन प्रधानमंत्री मोदी के स्तर पर यकायक हुआ है, इसलिए उँगली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ भी उठी। बात इतनी सी नहीं है, बल्कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और उनके चहेते मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सियासी रणनीति भी अचानक सवालों के घेरे में आ गई। यही वजह है कि नई दिल्ली से लेकर पाटलिपुत्र/पटना के सियासी गलियारों में राजनीतिक चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। लोग एक दूसरे से यह जानना चाह रहे हैं कि आखिर बांकीपुर उपचुनाव की उठापटक में हुए ₹उम्मीदवार बदल₹ के निर्णायक निर्णय में किसका पलड़ा भारी रहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का या केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री सह गृहमंत्री सम्राट चौधरी का! प्रचारअभियान और चुनाव

यक्ष प्रश्न है कि बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा को अपने ही घोषित उम्मीदवार को बदलने की नौबत क्यों आई? क्या यह राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष की विफलता नहीं है? क्या यह प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री या दोनों को गुमराह करके बदनाम करने की कोई नई चाल तो नहीं है? या फिर कुछ और बात है, एक तहकीकात तो बनती है, ताकि भविष्य में ऐसे फैसलों से बचा जा सके। वाकई बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा द्वारा पहले अभिषेक कुमार (बंटी) को उम्मीदवार बनाना और फिर उनका नाम वापस लेकर नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार घोषित करना स्वाभाविक रूप से कई सवाल खड़े करता है। आधिकारिक तौर पर अभिषेक कुमार ने 'पारिवारिक कारणों' का हवाला देकर नामांकन वापस लिया है।

हालांकि राजनीतिक हलकों और मीडिया चर्चाओं में कुछ संभावित कारणों की चर्चा है, जिन्हें केवल अटकलों या विश्लेषण के रूप में ही देखा जाना चाहिए। चूंकि राष्ट्रीय व सूबाई मीडिया के राजनीतिक विश्लेषण में कुछ संभावित पहलुओं पर चर्चा हो रही है जो लाजिमी है और इसप्रकार से हैंः-

पहली, उम्मीदवार की पृष्ठभूमि पर मिली नई जानकारी से उभरी चिंताएंः कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि उम्मीदवार से जुड़े एक संभावित विवाद की जानकारी नामांकन के बाद सामने आने पर पार्टी ने जोखिम लेने के बजाय उम्मीदवार बदलना ही बेहतर समझा। चूंकि नामांकन के बाद कुछ ऐसी सूचनाएं सामने आईं जिन्हें पार्टी चुनावी दृष्टि से जोखिमपूर्ण मान रही थी। हालांकि इस पर भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

दूसरी, स्थानीय संगठन की असहमतिः कुछ विश्लेषकों का मानना है कि पटना महानगर और बांकीपुर के स्थानीय नेताओं का एक वर्ग घोषित उम्मीदवार के पक्ष में पूरी तरह सहज नहीं था। यदि ऐसा था, तो चुनाव प्रबंधन प्रभावित होने की आशंका रही होगी। राजनीति

तीसरी, जीत की संभावना : भाजपा बांकीपुर को अपनी परंपरागत मजबूत सीट मानती है। यदि आंतरिक सर्वे या फीडबैक में उम्मीदवार को लेकर नकारात्मक संकेत मिले हों, तो अंतिम समय में बदलाव को बेहतर विकल्प माना गया होगा।

चौथी, विपक्ष को मुद्दा बनने से रोकनाः यदि पार्टी को लगा कि उम्मीदवार से जुड़ा कोई विवाद चुनाव प्रचार के दौरान बड़ा मुद्दा बन सकता है, तो उसने पहले ही उम्मीदवार बदलकर संभावित नुकसान कम करने की कोशिश की हो सकती है।

पांचवीं, क्या यह नेतृत्व की विफलता है?ः इसके दो पक्ष हैं-यदि उम्मीदवार की पूरी जांच के बाद ही नाम घोषित हुआ था और बाद में वही कारण बदलने की वजह बना, तो प्रारंभिक जांच प्रक्रिया पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

लेकिन यदि नामांकन के बाद कोई नई और महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई, तो उम्मीदवार बदलना संगठन की त्वरित प्रतिक्रिया भी माना जा सकता है।

छठी, क्या यह संगठन की विफलता है?ः यदि किसी उम्मीदवार को केंद्रीय चुनाव समिति तक मंजूरी मिलने के बाद बदलना पड़े, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रारंभिक जांच (due diligence) पूरी तरह हुई थी या नहीं। इस दृष्टि से आलोचक इसे संगठनात्मक कमी मान सकते हैं। या फिर यह नुकसान सीमित करने की रणनीति थी?

सातवीं, नुकसान नियंत्रित (damage control) करने की रणनीति : यह भी तर्क दिया जा सकता है कि यदि नामांकन के बाद कोई नई जानकारी सामने आए और पार्टी तुरंत निर्णय लेकर उम्मीदवार बदल दे, तो इसे नुकसान नियंत्रित करने की रणनीति भी माना जा सकता है। ऐसी स्थिति में बाद में बड़ा विवाद झेलने की बजाय तत्काल निर्णय लेना नेतृत्व की सक्रियता भी माना जा सकता है।

आठवीं, सबकुछ सामान्य है या असामान्य, चिता की बातः यहां यह कहना कि यह केवल राष्ट्रीय अध्यक्ष या प्रदेश अध्यक्ष की विफलता है, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अभी जल्दबाजी होगी। वहीं यह कहना भी उचित नहीं होगा कि सब कुछ सामान्य था। दोनों संभावनाओं के बीच सच्चाई इस बात पर निर्भर करेगी कि उम्मीदवार बदलने की वास्तविक वजह क्या थी, जिसे भाजपा ने सार्वजनिक रूप से विस्तार से नहीं बताया है।

नौवीं, संगठनात्मक जवाबदेही का यक्ष प्रश्नः ऐसे में यदि भविष्य में यह स्पष्ट हो जाए कि विवादित जानकारी पहले से उपलब्ध थी और जांच में चूक हुई, तो संगठनात्मक जवाबदेही का प्रश्न अधिक मजबूती से उठेगा। लेकिन यदि जानकारी बाद में सामने आई और उसी आधार पर निर्णय लिया गया, तो इसे जोखिम प्रबंधन के रूप में भी देखा जा सकता है।

दसवीं, भाजपा ने कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी, इसलिए सबकुछ भविष्य पर निर्भरः चूंकि बांकीपुर उपचुनाव में उम्मीदवार बदलने के पीछे के 'अंदरूनी कारणों' पर अभी तक भाजपा ने कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। इसलिए किसी एक कारण को तथ्य के रूप में कहना उचित नहीं होगा। हालांकि इस समय उपलब्ध सार्वजनिक तथ्यों के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है कि उम्मीदवार परिवर्तन का वास्तविक कारण क्या था। इसलिए किसी विशेष व्यक्ति, गुट या नेतृत्व पर निश्चित आरोप लगाना तथ्यों से परे होगा। यदि भविष्य में आधिकारिक दस्तावेज़, विश्वसनीय रिपोर्ट या संबंधित पक्षों के बयान सामने आते हैं, तब अधिक ठोस निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं।

आखिर राजनीति के अंतःपुर में क्या क्या चर्चाएं चल रही हैं, किस खेमे में कौन सी सुस्वादु खिचड़ी पक रही है, यह अंदाजा भी आपको होना चाहिए

वहीं, एक अन्य चौपाली चर्चा के मुताबिक भाजपा का या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का, क्योंकि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के बिहार की सत्ता में आने के बाद से पहले मुख्यमंत्री बदल यानी नीतीश कुमार की जगह पर सम्राट चौधरी का राज्याभिषेक और अब बांकीपुर उपचुनाव में उम्मीदवार बदल यानी भाजपा द्वारा पूर्व में घोषित उम्मीदवार अभिषेक कुमार सिन्हा (बंटी) का नामांकन वापस लेकर नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाए जाने को सामान्य घटनाक्रम नहीं ठहराया जा सकता है। यह बिहार एनडीए के आपसी दांवपेच से भी अभिप्रेरित हो सकता है। चूंकि बिहार के कद्दावर नेता इन दिनों हाशिए पर चले गए हैं, इसलिए वो नहीं चाहते कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जैसे सुलझे हुए नेता सफल हों, क्योंकि इनकी सफलता से उनका सियासी भविष्य उलझ जाएगा।

तभी तो कभी नीतीश कुमार की सेहत को मीडिया में उछाला गया, फिर सम्राट चौधरी के खिलाफ विजय कुमार सिन्हा की तैयारी को बेवजह तूल दिलवाया गया, उसके बाद तिवारी एनकाउंटर के बहाने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बदनाम करने की मुहिम चलाई-चलवाई गई, और अब पार्टी के सर्वेसर्वा नितिन नवीन के गृह क्षेत्र और खुद उनकी ही छोड़ी हुई सीट जहां से वे और उनसे पहले उनके पिताजी दशकों से विधायक रह चुके हैं, उस सीट पर उम्मीदवार बदल अभियान के पीछे की सियासत को समझना/समझाना जरूरी है। यह राजनीतिक पत्रकारों के लिए शोध का विषय है कि यह सबकुछ महज संयोग है या किसी शातिर राजनेता के इशारे पर चल रहा अनुप्रयोग दर अनुप्रयोग, क्योंकि सवाल बिहार के विकास और राजनीतिक भविष्य दोनों का। आजादी के 8 दशक में भी बिहार को प्रधानमंत्री पद नहीं मिलना भी चिंता का सबब है। इसलिए हर परिस्थिति को अनुकूल बनाइए, अनुकूल परिस्थितियों को प्रतिकूल बताने, बनाने से बाज आइए।

अभी तक उपलब्ध सार्वजनिक जानकारी के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता है कि यह फैसला सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी या आरएसएस भक्त/मोदी अनुगामी कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, पूर्व उपमुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से हुआ, प्रमाणित नहीं है। क्योंकि ऐसी किसी आधिकारिक पुष्टि या विश्वसनीय रिपोर्ट का अभाव है। वहीं, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के खासमखास एमएलसी, राष्ट्रीय प्रवक्ता व केंद्रीय मीडिया उपप्रभारी संजय मयूख और केंद्रीय भाजपा के पदाधिकारी ऋतुराज सिन्हा, पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद आदि के रहते हुए भी भाजपा नेतृत्व गुमराह हुआ, यह अंदरूनी जांच का विषय है, क्योंकि उम्मीदवार बदल अभियान से शीर्ष नेताओं की छवि और साख दोनों प्रभावित हुई है।

वहीं, राजनीतिक गलियारों में कुछ ऐसी ही चर्चाएँ (गॉसिप) चल रही हैं, जिन्हें तथ्य के रूप में नहीं, बल्कि अटकलों के रूप में ही देखा जाना चाहिए। इनमें प्रमुख बातें हैंः- कुछ लोगों का मानना है कि उम्मीदवार चयन के बाद स्थानीय संगठन और प्रभावशाली नेताओं के एक वर्ग ने आपत्ति जताई, जिसकी ऊपर में सांकेतिक चर्चा की जा चुकी है, के बाद ही पार्टी ने नुकसान की आशंका देखते हुए अपना फैसला बदला। वहीं, दूसरी चर्चा यह है कि बांकीपुर भाजपा की प्रतिष्ठित सीट है और यहां जनसुराज पार्टी के सर्वेसर्वा प्रशांत किशोर के चुनाव लड़ने से मुकाबला हाई-प्रोफाइल हो गया। इसलिए पार्टी ने अंतिम समय में अधिक सर्वमान्य चेहरे पर दांव लगाया।

बरेली में 60 सिलेंडरों से भरा ट्रक पलटा, सीएनजी गैस लीक-धमाके से दहशत...इलाके की काटी गई बिजली

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में सोमवार सुबह संजय नगर चौराहे के पास सीएनजी सिलेंडरों से भरा ट्रक बारिश के बीच सड़क पर पलट गया। ट्रक के पलटते ही गैस का रिसाव शुरू हो गया और तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दीं। आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग नींद से उठकर बाहर निकल आए। कुछ ही मिनटों में मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में ले लिया।

ड्राइवर विजय ने बताया कि वह हल्द्वानी से ट्रक खाली करके बरेली लौट रहा था। ट्रक में करीब 60 से ज्यादा CNG सिलेंडर थे। बताया जा रहा है कि सिलेंडरों में प्रेशर होने की वजह से ट्रक पलटने के बाद गैस का

रिसाव शुरू हो गया। ट्रक के नीचे दबे वाल्वों के कारण गैस लगातार निकलती रही, जिससे आसपास के लोगों में डर का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों ने दिखाई हिम्मत, शीशा तोड़कर निकाला ड्राइवर

हादसे के बाद ट्रक का ड्राइवर केबिन में ही फंस गया। आसपास मौजूद ऑटो चालकों और स्थानीय लोगों ने अपनी जान की परवाह किए बिना ट्रक के शीशे तोड़े और करीब 10 से 15 मिनट की मशक्कत के बाद ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बाद में उसे प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया। मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि अगर कुछ मिनट और देर हो जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। पास के अस्पताल में काम करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि सुबह अचानक जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। पहले लोगों को लगा कि कोई बड़ा विस्फोट हुआ है, लेकिन बाहर निकलकर देखा तो गैस से भरा ट्रक सड़क पर पलटा पड़ा था। इसके बाद कई लोग मदद के लिए मौके पर पहुंच गए।

पेट्रोल पंप पास होने से बढ़ी चिंता, बिजली काटकर रोका गया ट्रैफिक

जिस जगह ट्रक पलटा, वहां से करीब 200 मीटर की दूरी पर पेट्रोल पंप है। गैस रिसाव की सूचना मिलते ही एहतियात के तौर पर आसपास के इलाके की बिजली बंद कर दी गई ताकि किसी तरह की चिंगारी से आग न लग सके। पुलिस ने पूरे इलाके का ट्रैफिक रोक दिया और लोगों को सुरक्षित दूरी पर रहने की सलाह दी।

फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर स्टेशन के जूनियर अधिकारी संजीव यादव अपनी टीम के साथ गैस रिसाव रोकने और स्थिति को सामान्य करने में जुटे रहे। धीरे-धीरे ट्रक के दबे हुए वाल्व बंद किए गए, जिसके बाद गैस का रिसाव कम हुआ। समय रहते स्थानीय लोगों की सतर्कता, पुलिस और फायर ब्रिगेड की तेजी से कार्रवाई के चलते एक बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल ट्रक को सुरक्षित तरीके से हटाने और यातायात सामान्य कराने का काम जारी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे की वजह भी पता लगा रही है।

वहीं फायर विभाग के जूनियर अफसर संजीव यादव ने बताया कि उन्हें सुबह तड़के सूचना मिली मौके पर वह दो फायर की गाड़ियां लेकर पहुंचे और इसमें लगभग 60 सिलेंडर भरे हुए थे जो कि खाली थे लेकिन प्रेशर था इस वजह से गैस लीकेज हो रही थी ट्रक पलटने से बाल जो थे वह दब गए जैसे तैसे बड़ी-बड़ी मसक्कत के बाद यहां आप रेस्क्यू ऑपरेशन किया जा रहा है

सेक्स रैकेट के अडडे पर छापा, दो हिरासत में

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। पुलिस ने लाइनबाजार थाना क्षेत्र के कटघरा स्थित अंजु गिल एकेडमी स्कूल के समीप कथित रूप से संचालित सेक्स रैकेट के खिलाफ कार्रवाई की। लाइनबाजार और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर मौके से दो लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस की कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए।पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों की ओर से लंबे समय से इस स्थान पर संदिग्ध गतिविधियां संचालित होने की शिकायत मिल रही थी। शिकायतों के आधार पर संयुक्त टीम ने छापा मारा। प्रारंभिक जांच में पुलिस को कई महत्वपूर्ण तथ्य मिले हैं, जिनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, यह कथित अवैध गतिविधि पिछले करीब छह माह से संचालित होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की गहन जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

भिटौरा से टिसुआ तक नई रेल लाइन, न्यू बरेली नाम से बनेगा नया रेलवे स्टेशन

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली होकर गाजियाबाद-सीतापुर के बीच 400 किलोमीटर की नई रेल लाइन को अप्रैल में मंजूरी मिलने के बाद रेल विकास निगम लिमिटेड ने खाका खींचना शुरू कर दिया है। इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए केंद्र सरकार ने 14926 करोड़ का बजट तय किया है। परियोजना के तहत बरेली में 40 किलोमीटर की नई रेल लाइन बिछाई जाएगी। न्यू बरेली नाम से एक नया स्टेशन भी बनाया जाएगा। उत्तर और पश्चिम को पूर्वोत्तर से जोड़ने वाली दिल्ली-लखनऊ रेल लाइन बरेली होकर गुजरती है। बरेली से चंदौसी ब्रांच लाइन भी लिंक करती है। यह लाइन रामगंगा से कैंट होते हुए शाहजहांपुर की ओर जाती है। शाहजहांपुर के रोजा से रोजा-सीतापुर लाइन गुजरती है। इसके अलावा बरेली से पीलीभीत-मैलानी होते हुए एक लाइन लखनऊ और पूर्वांचल को कनेक्ट करती है। ऐसे में बरेली-शाहजहांपुर के बीच रेल लाइन पर ट्रेनों का दबाव काफी ज्यादा रहता है। इसको देखते हुए केंद्र सरकार ने अप्रैल में गाजियाबाद-सीतापुर के बीच 400 किलोमीटर से ज्यादा तीसरी और चौथी रेल लाइन को मंजूरी दी है। नई लाइन बरेली के भिटौरा से रामगंगा और बुखारा होते हुए टिसुआ निकलेगी।

नए स्टेशन के लिए चार स्थानों पर देखी गई जगह

परियोजना में बरेली जंक्शन पर गाड़ियों के दवाब को कम करने के लिए टिसुआ के पास एक नया बाइपास प्रस्तावित है। यह रेल लाइन भिटौरा से रामगंगा और बुखारा होते हुए टिसुआ स्टेशन के पास जुड़ेगी। बरेली में न्यू बरेली नाम से नए रेलवे स्टेशन के लिए रेल विकास निगम ने खाका खींचना शुरू कर दिया है। रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि नए स्टेशन के लिए बरेली में चार स्थानों पर जगह देखी गई है।

दोहरीकरण परियोजनाएं भी पकड़ेगी गति

केंद्र सरकार बरेली-चंदौसी-मुरादाबाद और चंदौसी-अलीगढ़ रेल खंड के अलावा भोजीपुरा-लालकुआं, काठगोदाम-लालकुआं, रामपुर-लालकुआं, भोजीपुरा बाइपास रेल लाइनों के दोहरीकरण को भी मंजूरी दे चुकी है। बरेली-चंदौसी रेल लाइन के दोहरीकरण का काम शुरू हो गया है और अन्य परियोजनाओं के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे शुरू हो चुका है। कासगंज-मथुरा के बीच भी दोहरीकरण के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे चल रहा है। मुरादाबाद मंडल के सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि तीसरी और चौथी रेल लाइन के लिए मंजूरी के बाद संबंधित एजेंसियों ने काम शुरू कर दिया है। बरेली में न्यू बरेली रेलवे स्टेशन प्रस्तावित है। बरेली में भिटौरा से रामगंगा और बुखारा होते हुए टिसुआ तक नई लाइनें प्रस्तावित हैं।

मारपीट में युवक की मौत, तीन हिरासत में

जौनपुर।ामपुर थाना क्षेत्र के राजापुर गांव में पड़ोसियों के बीच हुए विवाद में गंभीर रूप से घायल युवक दिनेश तिवारी की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करते हुए तीन नामजद आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है।पुलिस के अनुसार, रविवार रात राजापुर गांव में मोनू, दिनेश तिवारी और महावीर तिवारी, पड़ोसी हैं, के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान दिनेश तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए भदोही के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर थाना रामपुर में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामले में नामजद तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुस्कान, बबीता और दामिनी... इन तीनों ने अपने पतियों को मारा और अब एक ही जेल ठिकाना

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ का चौधरी चरण सिंह जिला जेल एक बार फिर सुर्खियों में है। यहां अब पति की हत्या के चर्चित मामलों में आरोपी दो महिलाएं एक ही जेल में बंद रहेंगी। मेरठ के नीला ड्रम हत्याकांड की मुख्य आरोपी मुस्कान पहले से ही इसी जेल में कैद है, जबकि अब हस्तिनापुर के चर्चित सांप कांड की आरोपी दामिनी को भी यहां लाया गया है। दोनों ही मामलों में आरोप है कि महिलाओं ने अपने प्रेमियों के साथ मिलकर अपने पतियों की हत्या की।

मेरठ का नीला ड्रम हत्याकांड देशभर में चर्चा का विषय बना था। इस मामले में आरोप है कि मुस्कान ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति सौरभ की हत्या कर दी थी। हत्या के बाद शव को छिपाने के लिए उसे नीले ड्रम में रखा गया था। घटना सामने आने के बाद पूरे देश में इस मामले की चर्चा हुई थी।

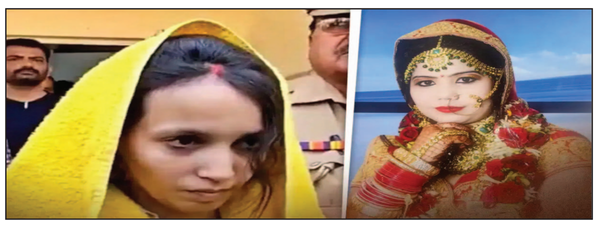

मुस्कान को गिरफ्तार कर मेरठ के चौधरी चरण सिंह जिला कारागार भेजा गया था। तब से वह जेल में बंद है। अब पति की हत्या के एक और चर्चित मामले की आरोपी दामिनी भी इसी जेल में रहेगी।

सांप से डसवाकार पति की हत्या का आरोप

मेरठ के हस्तिनापुर थाना क्षेत्र में सामने आए मामले ने भी लोगों को हैरान कर दिया। आरोप है कि दामिनी ने अपने प्रेमी तुषार के साथ मिलकर अपने पति अतुल पवार की हत्या की साजिश रची। पुलिस जांच में सामने आया कि पति की हत्या के लिए सांप का इस्तेमाल किया गया। आरोप है कि दामिनी ने सपेरे से सांप खरीदवाकर अपने पति को डसवाया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद दामिनी को गिरफ्तार किया गया और अब उसे मेरठ की चौधरी चरण सिंह जिला कारागार में रखा गया है।

पति की हत्या के मामलों में कई महिलाएं जेल में बंद

मेरठ जेल में पिछले कुछ वर्षों के दौरान पति की हत्या के आरोप में कई महिलाएं बंद रही हैं। करीब 16 महीने पहले मेरठ के बहसूमा थाना क्षेत्र में भी ऐसा ही मामला सामने आया था। उस मामले में बबीता नाम की महिला पर आरोप लगा था कि उसने सांप से कटवाकर अपने पति की हत्या कर दी थी। वह भी चौधरी चरण सिंह जिला कारागार में बंद है। जेल प्रशासन के मुताबिक, वर्तमान में जिला कारागार में ऐसी कई महिला बंदी हैं, जिन पर अपने पति की हत्या करने के गंभीर आरोप हैं। अब दामिनी का नाम भी इन मामलों में शामिल हो गया है।

लगातार सामने आ रहे ऐसे मामले

पति-पत्नी के रिश्ते में विश्वासघात और हत्या के बढ़ते मामलों ने समाज में चिंता बढ़ा दी है। मेरठ में हाल के वर्षों में सामने आए इन मामलों में एक समानता यह रही कि कई घटनाओं में प्रेम संबंधों को हत्या की वजह बताया गया। पुलिस और जांच एजेंसियां इन मामलों में सबूतों के आधार पर कार्रवाई कर रही हैं।

अनषन को बाधित किये जाने के खिलाफ प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चले रहे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे प्रख्यात वैज्ञानिक व समाजसेवी सोनम वांगचुक को जबरन हटाए जाने के खिलाफ तथा अन्य भूख हड़तालियों व धरना प्रदर्शन के समर्थन में छात्र संगठन-एआईडीएसओ, युवा संगठन-एआईडीवाईओ व ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी की ओर से बदलापुर सब्जी मण्डी से जुलूस निकालकर इन्दिरा चैक पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान - शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो इत्यादि नारों से आकाश गूंज उठा। वक्ताओं ने कहा कि, पिछले एक महीने से अधिक समय से, देश के छात्र, युवा, अभिभावक और आम लोग पेपर लीक और एनटीए में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों में लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हम सभी सरकार से जवाबदेही, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और एनटीए को तुरंत भंग करने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन को रामकुमार यादव, यादवेंद्र पाल, प्रमोद कुमार शुक्ल, कृष्णा सिंह, दिनेशकान्त मौर्य, संतोष कुमार प्रजापति, इन्दुकुमार शुक्ल, राजबहादुर विश्वकर्मा, अपूर्व दूबे, अंजली सरोज, पूनम प्रजापति, नीरज गुप्ता, गार्गी पाल, विजय मौर्य व अन्य ने सम्बोधित किए। संचालन - दिलीप कुमार ने किया।

मुजफ्फरनगर में दर्दनाक हादसा, बारिश में ढहा कच्चा मकान ; चार मासूम समेत 5 की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जिले में रविवार रात एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। फुगाना थाना क्षेत्र के हबीबपुर गांव में लगातार बारिश के बीच एक कच्चा मकान अचानक भरभराकर ढह गया। हादसे के समय मकान के अंदर मौजूद चार मासूम बच्चों समेत पांच लोग मलबे में दब गए। सभी को बाहर निकालने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है, जबकि सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पिछले कई दिनों से हो रही बारिश के कारण कच्चे मकान की दीवारें कमजोर हो गई थीं। रविवार रात करीब नौ बजे अचानक पूरा मकान

भरभराकर गिर पड़ा। हादसे के वक्त परिवार के सदस्य घर के अंदर मौजूद थे और उन्हें संभलने तक का मौका नहीं मिला। तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

चार मासूमों की दर्दनाक मौत

ग्रामीणों ने मलबा हटाकर दबे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। हादसे में इस्लामु के चार बच्चों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान 12 वर्षीय अलसीबा, 7 वर्षीय आहट, 6 वर्षीय रुखसार और आठ माह के जीशान के रूप में हुई है। हादसे में एक अन्य व्यक्ति की भी जान चली गई। इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है।

प्रशासन ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य का जायजा लिया। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर लगातार बारिश के चलते कच्चे मकान की दीवारें कमजोर होना हादसे की वजह माना जा रहा है। वहीं, प्रशासन ने पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता का भरोसा दिया है।

शिविर में व्यापारियों की समस्याओं का समाधान

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। किराना व्यापार संघ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधीय प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जागरूकता शिविर का आयोजन शहर के मध्य स्थित एक होटल में किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री गरीश चन्द्र यादव , अध्यक्षता व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने की,। शिविर का मुख्य उद्देश्य व्यापारयों को विभागीय नियमों के प्रति जागरूक करना और उनकी व्यावहारिक समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण करना था मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन मे कहा कि व्यापारी समाज अर्थव्यवस्था की रीढ़ है सरकार व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है उन्होंने व्यापारियों से अपील की वे खाद्य सुरक्षा के मानकों का पूरी तरह पालन करें ताकि जनता को शुद्ध वस्तुएं मिल सकें और व्यापार में पारदर्शिता आए, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार वर्मा ने व्यापारियों को लाइसेंशिसंग, रजिस्ट्रेशन और खाद्य सुरक्षा मानकों से जुड़े नियमों की विस्तृत जानकारी दी, शिविर के दौरान व्यापारयों ने विभाग से जुड़ी कई जटिल समस्याओं को उनके समक्ष रखा, जिसका उन्होंने मौके पर ही उचित समाधान किया। महामंत्री आशीष कुमार गुप्ता, संजय केडिया, मनोज कुमार साहू, अनिल वर्मा,राजेन्दर मोदनवाल,बंटी मोदनवाल,आदि उपस्थित रहे।

‘फूफा’ बनकर आया फोन और ठग लिए 13 लाख रुपए... बरेली में साइबर ठग ने पीएसी के सिपाही को लगाया ‘चूना’

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली में साइबर ठग अब लोगों को ठगने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। इस बार बरेली में तैनात पीएसी के एक सिपाही को रिश्तेदार बनकर ठगी का शिकार बनाया गया। ठग ने खुद को सिपाही का फूफा बताकर फोन किया, परिवार की बातें कर भरोसा जीता और फिर इमरजेंसी का बहाना बनाकर 13 लाख 29 हजार रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए। जब सिपाही ने असली फूफा से बात की तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया।

पीड़ित रवि सागर मूल रूप से मुरादाबाद जिले के सेहल गांव के रहने वाले हैं और इस समय बरेली की आठवीं वाहिनी पीएसी में तैनात हैं। रवि ने पुलिस को बताया कि 24 जून को उनके मोबाइल पर एक

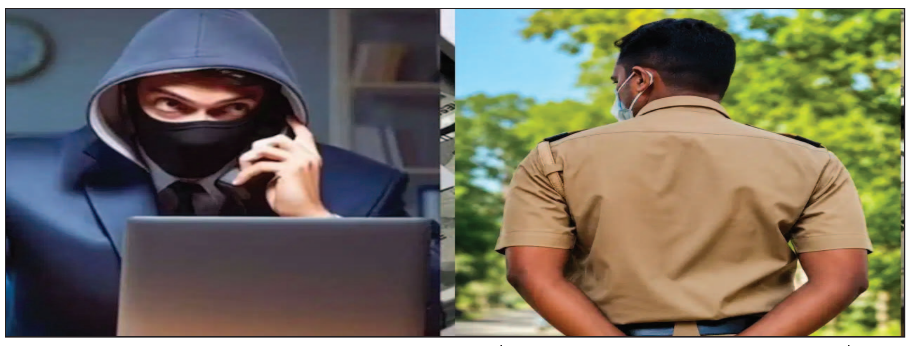

अनजान नंबर से कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को उनका फूफा बताया। उसने परिवार के लोगों का हालचाल पूछा और ऐसी बातें कीं कि रवि को किसी तरह का शक नहीं हुआ। बातचीत के दौरान उसने बताया कि वह आगरा में है और एक जरूरी परेशानी में फंस गया है।

कुछ देर बाद कॉल करने वाले ने कहा कि उसे तुरंत पैसों की जरूरत है और मदद नहीं मिली तो बड़ी परेशानी हो जाएगी। रिश्तेदारी और भरोसे के कारण रवि उसकी बातों में आ गए। इसके बाद ठग ने अलग-अलग बैंक खातों की जानकारी भेजी और कई बार में रुपए ट्रांसफर करवा लिए। देखते ही देखते कुल 13 लाख 29 हजार रुपए उसके बताए खातों में भेज दिए गए।

रकम भेजने के बाद रवि को कुछ शक हुआ तो उन्होंने अपने असली फूफा से संपर्क किया। तब पता चला कि उन्होंने किसी तरह के पैसों की मांग ही नहीं की थी और न ही उन्होंने कोई फोन किया था। यह सुनते ही रवि के पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्हें समझ आ गया कि वह साइबर ठगी का शिकार हो चुके हैं।

साइबर क्राइम थाने में दर्ज हुई रिपोर्ट

ठगी का पता चलते ही रवि ने पूरे मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाने में दी। साथ ही राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अब जिन बैंक खातों में रकम भेजी गई है और जिन मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल हुआ है, उनकी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ठग किस राज्य से इस वारदात को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल पर केवल पहचान बताने से भरोसा न करें। यदि कोई रिश्तेदार बनकर पैसे मांगे तो पहले उसके पुराने नंबर पर या परिवार के अन्य सदस्य से बात करके पूरी जानकारी की पुष्टि जरूर कर लें। थोड़ी सी सावधानी आपकी वर्षों की मेहनत की कमाई को साइबर ठगों के हाथों में जाने से बचा सकती है।

सोनम वांगचुक के समर्थन में किया उपवास

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। लद्दाख के प्रसिद्ध शिक्षाविद्, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आह्वान पर दिल्ली में 20 जुलाई को संसद चलो आंदोलन के समर्थन में कलेक्ट्रेट मुख्यालय पर सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पेपर लिक के खिलाफ विरोध दर्ज किया और जनहित के मुद्दों को लेकर एक दिवसीय उपवास व प्रदर्शन पर बैठे। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ यह एक दिवसीय उपवास व प्रदर्शन किया गया प्रदीप मिश्रा ने कहा कि शिक्षा और रोजगार आज सबसे बड़ा मुद्दा है। सरकार को युवाओं की आवाज सुननी होगी और नीतियों में बदलाव करना होगा। आम आदमी पार्टी के पूर्वांचल प्रांत प्रभारी डॉ. अनुराग मिश्रा ने कहा कि देश की शिक्षा नीति को लेकर व्यापक चर्चा की आवश्यकता है। सोनम वांगचुक जी का आंदोलन

जनभावनाओं का प्रतीक है, जिसका हम पूर्ण समर्थन करते हैं।कॉमरेड जय प्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षा को व्यवसाय नहीं बनने देंगे। गरीब का बच्चा भी अच्छी शिक्षा का हकदार है। वरिष्ठ के रतनाकर चैबे ने कहा कि सरकार को शिक्षा नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष रामरतन विश्वकर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। इस अनशन में अन्य वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक तथा भारी संख्या में अधिवक्ता गण भी उपस्थित रहे और सभी ने आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

रील्स देखने से कमजोर हो रहा बच्चों का दिमाग, क्या आपका बच्चा भी है शिकार?

इंस्टाग्राम रील्स जैसे शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म बच्चों की ध्यान लगाने की क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि लगातार छोटे वीडियो देखने से दिमाग का रिवॉर्ड सिस्टम बदलने लगता है। यही वजह है कि अब बच्चे पढ़ाई या किसी एक काम पर ज्यादा देर तक फोकस नहीं कर पा रहे हैं।

क्या आपका बच्चा मोबाइल हाथ में लेते ही लगातार रील्स स्क्रॉल करने लगता है। अगर ऐसा है तो यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि उसके दिमाग पर गहरा असर डालने वाली आदत भी हो सकती है। दुनिया भर के वैज्ञानिकों और मेडिकल संस्थानों की हालिया रिसर्च बताती है कि इंस्टाग्राम रील्स, टिकटॉक और दूसरे शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म बच्चों की सोचने, समझने और लंबे समय तक ध्यान लगाने की क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं। रिसर्च के मुताबिक, बार-बार मिलने वाले छोटे-छोटे वीडियो दिमाग के रिवॉर्ड सिस्टम को लगातार सक्रिय रखते हैं, जिससे बच्चे लंबे समय तक पढ़ाई, किताब या किसी एक काम पर फोकस नहीं कर पाते। माइक्रोसॉफ्ट, झेजियांग यूनिवर्सिटी, अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन, द वॉल स्ट्रीट जर्नल और फोर्ब्स जैसी संस्थाओं और प्रकाशनों ने भी इस विषय पर गंभीर चिंता जताई है। ऐसे में सवाल है कि आखिर रील्स बच्चों के दिमाग में क्या बदलाव ला रही हैं और इससे बचने का तरीका क्या है।

क्या है 'शॉर्ट अटेंशन स्पैन'?

शॉर्ट अटेंशन स्पैन का मतलब है किसी एक काम, किताब, पढ़ाई या बातचीत पर लंबे समय तक ध्यान न टिक पाना। माइक्रोसॉफ्ट की इंसानी व्यवहार पर आधारित चर्चित रिसर्च के अनुसार साल 2000 में इंसानों का औसत अटेंशन स्पैन करीब 12 सेकंड था, जो स्मार्टफोन और शॉर्ट वीडियो के दौर में घटकर लगभग 8 सेकंड रह गया। रिसर्च में यह भी बताया गया कि यह समय गोल्डफिश के औसत 9 सेकंड के अटेंशन स्पैन से भी कम है। विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार 15 से 30 सेकंड के वीडियो देखने से दिमाग उसी तेज गति का आदी हो जाता है। ऐसे में स्कूल की क्लास, किताब या लंबी बातचीत बच्चों को उबाऊ लगने लगती है।

रील्स देखते ही दिमाग में क्या होता है?

चीन की झेजियांग यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने न्यूरोइमेजिंग तकनीक की मदद से बच्चों के दिमाग पर शॉर्ट वीडियो का असर समझने की कोशिश की। रिसर्च के दौरान एमआरआई स्कैन में पाया गया कि रील्स और टिकटॉक वीडियो देखते समय दिमाग का वेंट्रल टेगमेंटल एरिया यानी रिवॉर्डो पाथवे तेजी से सक्रिय हो जाता है। यही हिस्सा खुशी और इनाम मिलने का अहसास कराता है। हर कुछ सेकंड में नया वीडियो मिलने से डोपामाइन तेजी से रिलीज होता है, जिससे बच्चा बार-बार स्क्रीन स्क्रॉल करने लगता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यही प्रक्रिया धीरे-धीरे आदत को लत में बदल सकती है और लंबे समय तक ध्यान लगाने की क्षमता कमजोर होने लगती है।

'टिकटॉक ब्रेन' क्या है?

द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इस पूरे बदलाव को "टिकटॉक ब्रेन" नाम दिया है। इसे आप रील्स ब्रेन भी कह सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों का प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स, जो निर्णय लेने, धैर्य रखने और किसी काम को पूरा करने में मदद करता है, लगभग 25 साल की उम्र तक विकसित होता है। अगर इसी दौरान बच्चा लगातार शॉर्ट वीडियो का आदी बन जाए तो उसके फोकस और आत्मनियंत्रण पर असर पड़ सकता है। वहीं फोर्ब्स की रिपोर्ट बताती है कि इंस्टाग्राम, टिकटॉक और यूट्यूब शॉर्ट्स के एल्गोरिदम यूजर की पसंद को तेजी से समझते हैं और उसी तरह का कंटेंट लगातार दिखाते हैं। इससे डोपामाइन का स्तर बार-बार बढ़ता है और यूजर लंबे समय तक प्लेटफॉर्म से जुड़ा रहता है।

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन ने क्यों जारी की चेतावनी?

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (एपीए) ने बच्चों और किशोरों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर परामर्श जारी किया है। एसोसिएशन के अनुसार, जो बच्चे रोजाना दो घंटे या उससे अधिक समय शॉर्ट वीडियो देखते हैं, उनमें कई व्यवहारिक बदलाव दिखाई दे सकते हैं। इनमें छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आना, पढ़ाई में मन न लगना, नींद की समस्या, बेचैनी और लगातार मोबाइल देखने की इच्छा शामिल है। एक्सपर्ट का कहना है कि जब वास्तविक जीवन में रील्स जैसी तुरंत खुशी नहीं मिलती तो कई बच्चों में तनाव और चिंता भी बढ़ सकती है। स्कूलों में शिक्षकों ने भी बच्चों की घटती एकाग्रता को लेकर चिंता जताई है।

बच्चों को इस डिजिटल लत से कैसे बचाएं?

बच्चों को इस डिजिटल लत से बचाने के लिए बाल रोग विशेषज्ञों और टेक एक्सपर्ट्स तीन तरीके बताएं हैं। सबसे पहला और जरूरी कदम है 'स्क्रीन-फ्री टाइम' और 'नो गैजेट जोन' बनाना। घर में रात को खाना खाते समय और सोने से एक घंटे पहले माता-पिता और बच्चे दोनों के लिए मोबाइल का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित होना चाहिए। दूसरा उपाय यह है कि बच्चों को रील्स के डिजिटल डोपामाइन से निकालकर असल जिंदगी के फिजिकल डोपामाइन की तरफ ले जाएं, जिसके लिए उन्हें मैदानी खेल, संगीत, चित्रकारी या किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करें। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण तरीका यह है कि माता-पिता खुद बच्चों के सामने एक रोल मॉडल बनें, क्योंकि कई बार बच्चे माता-पिता को ही दिनभर स्क्रीन स्क्रॉल करते देखकर यह आदत सीखते हैं।

डिजिटल डोपामाइन क्या है और यह क्यों बन जाता है आदत?

रिसर्च के अनुसार, जब कोई व्यक्ति लगातार नए और दिलचस्प शॉर्ट वीडियो देखता है, तो हर वीडियो के साथ दिमाग में डोपामाइन नाम का न्यूरोट्रांसमीटर रिलीज होता है। इसे आम भाषा में "फील गुड केमिकल" भी कहा जाता है। समस्या तब शुरू होती है जब दिमाग बार-बार इसी तुरंत मिलने वाली खुशी का आदी बन जाता है। इसके बाद पढ़ाई, किताब, होमवर्क या सामान्य बातचीत जैसी गतिविधियां बच्चों को उतनी रोचक नहीं लगतीं क्योंकि उनमें तुरंत इनाम जैसा अनुभव नहीं मिलता। यही वजह है कि बच्चे बार-बार मोबाइल उठाकर नया वीडियो देखने लगते हैं। विशेषज्ञ इसे डिजिटल डोपामाइन लूप कहते हैं, जो समय के साथ आदत को और मजबूत कर सकता है।

क्या करना चाहिए?

वैज्ञानिकों का कहना है कि तकनीक खुद समस्या नहीं है, बल्कि उसका जरूरत से ज्यादा और बिना नियंत्रण के इस्तेमाल चिंता की वजह बन सकता है। इसलिए बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम तय करना, उम्र के अनुसार कंटेंट चुनना और परिवार के साथ ऑफलाइन गतिविधियों को बढ़ावा देना जरूरी है। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन का भी कहना है कि सोशल मीडिया का उपयोग बच्चों की उम्र, मानसिक स्थिति और पारिवारिक माहौल को ध्यान में रखकर होना चाहिए। जितना जरूरी डिजिटल दुनिया से जुड़ना है, उतना ही जरूरी वास्तविक दुनिया के अनुभव भी हैं। अगर समय रहते संतुलन नहीं बनाया गया, तो एकाग्रता, सीखने की क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर लंबे समय तक असर पड़ सकता है।

सीढ़ियां चढ़ते ही सांस फूलती है? दिल की सेहत पर दें ध्यान

सीढ़ियां चढ़ते समय या तेज चलने पर सांस फूलना हमेशा सामान्य नहीं होता। कई बार यह किसी गंभीर समस्या का शुरुआती संकेत हो सकता है। आइए इस बारे में डिटेल में जानते हैं।

आजकल कई लोग सीढ़ियां चढ़ते, तेज चलने या हल्की-फुल्की शारीरिक एक्टिविटी करने पर सांस फूलने की शिकायत करते हैं। कई बार लोग इसे बढ़ती उम्र, थकान या कमजोरी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। हालांकि, अगर यह समस्या बार-बार होने लगे या पहले की तुलना में ज्यादा महसूस होने लगे, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। समय रहते इसकी वजह का पता लगाना जरूरी होता है, ताकि जरूरत पड़ने पर सही इलाज किया जा सके।

सांस फूलने के पीछे कई सामान्य कारण हो सकते हैं, जैसे शारीरिक फिटनेस की कमी, मोटापा, एनीमिया, फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं या लंबे समय तक शारीरिक एक्टिविटी न करना। कुछ मामलों में यह किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत भी हो सकता है। इसलिए अगर सांस फूलने की समस्या लगातार बनी रहे या इसके साथ अन्य लक्षण भी नजर आएं, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। ऐसे में आइए जानते हैं कि क्या सीढ़ियां चढ़ते ही सांस फूलना दिल की बीमारी का संकेत हो सकता है और किन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

क्या सीढ़ियां चढ़ते ही सांस फूलना दिल की बीमारी का संकेत हो सकता है?

नेशनल हार्ट, लंग एंड ब्लड इंस्टीट्यूट (NHLBI) के अनुसार, सांस फूलना हार्ट से जुड़ी समस्याओं के संभावित लक्षणों में से एक हो सकता है। अगर सीढ़ियां चढ़ने, तेज चलने या हल्की शारीरिक एक्टिविटी के दौरान बार-बार सांस फूलने लगे, तो इसकी वजह जानना जरूरी है। जब हार्ट शरीर के अलग-अलग अंगों तक पर्याप्त मात्रा में खून और ऑक्सीजन नहीं पहुंचा पाता, तो सांस लेने में परेशानी हो सकती है।

हालांकि, हर बार सांस फूलने का मतलब दिल की बीमारी नहीं होता, लेकिन अगर यह समस्या लगातार बनी रहे या पहले से ज्यादा बढ़ने लगे, तो डॉक्टर से जांच करानी चाहिए। समय पर जांच और सही इलाज से कारण का पता लगाया जा सकता है और गंभीर जोखिमों को कम करने में मदद मिल सकती है।

सांस फूलने के साथ किन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए?

अगर सांस फूलने के साथ सीने में दर्द या दबाव महसूस हो, दिल की धड़कन तेज या असामान्य लगे, बहुत ज्यादा थकान हो, चक्कर आए, बेहोशी जैसा महसूस हो या पैरों और टखनों में सूजन दिखाई दे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

अगर आराम करने पर भी सांस लेने में परेशानी बनी रहे या समस्या अचानक बढ़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। समय पर जांच कराने से बीमारी का सही कारण पता चल सकता है और इलाज शुरू करने में मदद मिलती है।

दिल को स्वस्थ रखने और सांस फूलने के खतरे को कम करने के लिए क्या करें?

दिल को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना शारीरिक एक्टिविटी करें और संतुलित डाइट लें। धूम्रपान और तंबाकू से दूर रहें तथा वजन को कंट्रोल रखने की कोशिश करें। हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल की नियमित जांच कराते रहें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार उनका इलाज कराएं।

पर्याप्त नींद लें और तनाव को कम करने की कोशिश करें। अगर बार-बार सांस फूलने की समस्या हो रही है, तो इसे नजरअंदाज करने के बजाय समय पर डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर होता है।

क्या आपका गुस्सा आपको अस्वस्थ कर रहा है? जानें 5 संकेत

गुस्सा एक सामान्य मानवीय भावना है, लेकिन जब यह अस्वस्थ रूप ले लेता है तो कई समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताएंगे, जो यह दर्शाते हैं कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है और आपको मदद की जरूरत है। इन संकेतों को पहचानकर आप समय रहते अपनी स्थिति को सुधार सकते हैं और एक संतुलित जीवन जी सकते हैं।

लगातार गुस्सा आना

अगर आपको बार-बार या लगातार गुस्सा आता है तो यह एक अहम संकेत हो सकता है कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है।

इस स्थिति में आप छोटी-छोटी बातों पर भी ज्यादा प्रतिक्रिया देने लगते हैं और इससे आपके रिश्ते पर बुरा असर पड़ सकता है।

अगर आप खुद को इस स्थिति में पाते हैं तो आपको किसी विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए ताकि आप अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से समझ सकें और नियंत्रित कर सकें।

दूसरों पर चिल्लाना या अपशब्द कहना

अगर आप दूसरों पर चिल्लाते हैं या अपशब्द कहते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है।

इस तरह का व्यवहार न केवल आपके रिश्तों को नुकसान पहुंचा सकता है बल्कि समाज में आपकी छवि भी खराब कर सकता है।

अगर आप खुद को इस स्थिति में पाते हैं तो आपको अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए उपाय खोजने चाहिए और शांत रहने की कोशिश करनी चाहिए।

खुद को नुकसान पहुंचाना

अगर आप अपने गुस्से को नियंत्रित नहीं कर पाते और खुद को नुकसान पहुंचाते हैं तो यह बहुत गंभीर स्थिति है।

इससे न केवल आपका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है।

खुद को नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार को तुरंत पहचानना जरूरी है और इसके लिए आपको किसी पेशेवर मदद की जरूरत पड़ सकती है ताकि आप सही दिशा में जा सकें और अपनी स्थिति को सुधार सकें।

नींद न आना या ज्यादा नींद आना

गुस्से के कारण नींद पर भी असर पड़ सकता है। अगर आपको रात में सोने में दिक्कत होती है या जरूरत से ज्यादा नींद आती है तो यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है।

इस स्थिति में आपको अपने दिनचर्या में बदलाव लाने की जरूरत पड़ सकती है ताकि आप अपने गुस्से को बेहतर तरीके से समझ सकें और नियंत्रित कर सकें। सही समय पर मदद लेना भी जरूरी हो सकता है।

आत्म-सम्मान में कमी आना

अगर आपका आत्म-सम्मान कम होता जा रहा है और आप खुद को नीचा समझते हैं तो यह भी अस्वस्थ गुस्से का संकेत हो सकता है। इससे न केवल आपकी मानसिक स्थिति बिगड़ती है बल्कि आपके रिश्तों पर भी बुरा असर पड़ता है।

इस स्थिति में आपको अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से समझना होगा और उन्हें नियंत्रित करने के उपाय खोजने होंगे ताकि आप एक संतुलित जीवन जी सकें।

टैक्सपेयर्स ध्यान दें! आईटीआर फॉर्म में आया नया कॉलम, क्यों आपका दूसरा अड्रेस जानना चाहता है इनकम टैक्स डिपार्टमेंट

IT एक्ट में असेसमेंट ईयर 2026-27 के आईटीआर के मकसद से 'करंट', 'परमानेंट' और 'सेकेंडरी' पतों को अलग से परिभाषित नहीं किया गया है। आईटीआर फॉर्म में मुख्य रूप से प्राइमरी पते और सेकेंडरी पते का जिक्र कम्युनिकेशन के मकसद से किए जाने वाले पतों के तौर पर किया गया है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने टैक्सपेयर की प्रोफाइलिंग बेहतर करने, बातचीत को आसान बनाने और टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन सिस्टम में डेटा की सटीकता बढ़ाने की अपनी बड़ी पहल के तहत, असेसमेंट ईयर (AY) 2026-27 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फॉर्म में एक जरूरी 'सेकेंडरी एड्रेस' (दूसरा पता) फील्ड शामिल किया है।

इन नए फील्ड को आईटीआर-1 से लेकर आईटीआर-7 तक सभी आईटीआर फॉर्म में जोड़ा गया है। इसमें सैलरीड लोग, प्रोफेशनल्स, बिजनेस, फर्म, LLP, कंपनियां, ट्रस्ट और इनकम टैक्स रिटर्न भरने वाले अन्य तरह के टैक्सपेयर शामिल हैं। ऐसा लगता है कि यह कदम आईटीआर फॉर्म में टैक्सपेयर की ज्यादा पूरी और व्यवस्थित जानकारी हासिल करने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है।

इससे डिपार्टमेंट को कॉन्टैक्ट और अड्रेस की जानकारी अपडेट रखने, बातचीत में कमी (गैप) को कम करने और बेहतर वेरिफिकेशन में मदद मिल सकती है। यह तब खास तौर पर मददगार होगा जब किसी टैक्सपेयर के पास एक से ज्यादा जरूरी अड्रेस हों, जैसे कि परमानेंट अड्रेस, करंट अड्रेस, काम करने की जगह या फाइनेंशियल/टैक्स रिकॉर्ड के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला अड्रेस।

हालांकि, टैक्सपेयर को यह पक्का करना चाहिए कि बताया गया सेकेंडरी एड्रेस सही हो और उनके रिकॉर्ड से मेल खाता हो। अगर सेकेंडरी एड्रेस और प्राइमरी एड्रेस (मुख्य पता) एक ही हैं, तो टैक्सपेयर बिना वजह अलग जानकारी देने के बजाय यूटिलिटी में वही जानकारी दे सकता है।

किन आईटीआर फॉर्म में यह नया फ़ील्ड है?

असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए, नोटिफाई किए गए आईटीआर फ़ॉर्म के 'पार्ट A जनरल / पर्सनल इन्फ़ॉर्मेशन' में सेकेंडरी एड्रेस फील्ड जोड़ा गया है। इसमें आईटीआर-1, आईटीआर-2, आईटीआर-3, आईटीआर-4, आईटीआर-5, आईटीआर-6 और आईटीआर-7 शामिल हैं, क्योंकि नोटिफ़ाई किए गए फ़ॉर्म में अब बातचीत के लिए प्राइमरी एड्रेस और सेकेंडरी एड्रेस के लिए अलग-अलग फील्ड दिए गए हैं।

सेकेंडरी एड्रेस असल में क्या होता है?

सेकेंडरी एड्रेस में इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) में बताए गए प्राइमरी एड्रेस के अलावा, टैक्सपेयर से जुड़ा कोई भी अतिरिक्त मान्य फिजिकल पता शामिल हो सकता है। यह ऐसी जगह हो सकती है जहां टैक्सपेयर रहता हो, काम करता हो, बिजनेस करता हो या ऑफिशियल कम्युनिकेशन प्राप्त करता हो। सीए (डॉ।) सुरेश सुराना ने एफई की रिपोर्ट में कहा कि इनकम-टैक्स एक्ट में 'सेकेंडरी एड्रेस' की कोई अलग विस्तृत परिभाषा नहीं दी गई है। हालाँकि, इसका मकसद बातचीत के लिए एक वैकल्पिक पता हासिल करना है, जैसे कि मौजूदा घर का पता, परमानेंट पता, ऑफिस/रजिस्टर्ड पता या प्राइमरी एड्रेस से अलग कोई अन्य जरूरी पता। अगर टैक्सपेयर का कम्युनिकेशन के लिए सिर्फ एक ही पता है, तो वे बता सकते हैं कि सेकेंडरी पता, प्राइमरी पते जैसा ही है। अगर यह अलग है, तो अलग सेकेंडरी पता सही-सही बताना चाहिए।

विभाग करंट, परमानेंट और सेकेंडरी एड्रेस को कैसे डिफाइन करता है?

IT एक्ट में असेसमेंट ईयर 2026-27 के आईटीआर के मकसद से "करंट", "परमानेंट" और "सेकेंडरी" पतों को अलग से परिभाषित नहीं किया गया है। आईटीआर फॉर्म में मुख्य रूप से प्राइमरी पते और सेकेंडरी पते का जिक्र कम्युनिकेशन के मकसद से किए जाने वाले पतों के तौर पर किया गया है। व्यावहारिक तौर पर, करंट एड्रेस का मतलब वह जगह हो सकती है जहां टैक्सपेयर का रिटर्न फाइल करते समय रहने या बिजनेस का मौजूदा या मुख्य स्थान हो, जिसका इस्तेमाल मुख्य कम्युनिकेशन के लिए किया जाएगा।

सुराना ने कहा कि परमानेंट एड्रेस का मतलब लंबे समय तक रहने वाली या पैतृक जगह से हो सकता है जो अस्थायी रूप से कहीं और रहने के बावजूद टैक्सपेयर से जुड़ी रहती है। वहीं, सेकेंडरी पते में इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) में बताए गए प्राइमरी पते के अलावा टैक्सपेयर से जुड़ा कोई भी अतिरिक्त मान्य फिजिकज एड्रेस शामिल हो सकता है।

अगर आधार या पैन रिकॉर्ड में सेकेंडरी एड्रेस अपडेट नहीं तो...

सिर्फ इसलिए कि आईटीआर में दिया गया सेकेंडरी एड्रेस आधार या पैन रिकॉर्ड में अपडेट नहीं है, मिसमैच होने से अपने आप कंप्लायंस से जुड़ी समस्या नहीं होगी। सुराना ने कहा कि हालांकि, टैक्सपेयर्स को यह पक्का करना चाहिए कि बताया गया पता सही और असली हो। चूंकि आईटीआर की जानकारी को पैन, आधार, बैंक, एम्प्लॉयर और दूसरे रिकॉर्ड से क्रॉस-वेरिफाई किया जा सकता है, इसलिए बड़ी गड़बड़ियों से वेरिफिकेशन या कंयूनिकेशन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, जहां पते में कोई बड़ा बदलाव हुआ हो, वहां ज़रूरी रिकॉर्ड को अपडेट रखना सही रहता है।

क्या टैक्सपेयर्स रिवाइज्ड आईटीआर के जरिए सेकेंडरी एड्रेस अपडेट कर सकते हैं?

सुराना के अनुसार, अगर किसी टैक्सपेयर को पता चलता है कि ओरिजिनल रिटर्न में बताया गया सेकेंडरी एड्रेस गलत या अधूरा है, या उसमें बदलाव हुआ है, तो तय समय सीमा के अंदर सेक्शन 139(5) के तहत रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करके जानकारी को आमतौर पर ठीक किया जा सकता है। शर्त यह है कि ओरिजिनल रिटर्न तय तारीख के अंदर फाइल किया गया हो।

रिवाइज्ड रिटर्न टैक्सपेयर्स को गलतियों और कमियों को ठीक करने की सुविधा देता है, जिसमें आईटीआर में बताई गई पर्सनल और कॉन्टैक्ट जानकारी भी शामिल है। हालांकि, अगर बदलाव सिर्फ फ्यूचर कंयूनिकेशन के लिए है, तो टैक्सपेयर्स अपने ई-फाइलिंग प्रोफाइल में भी एड्रेस अपडेट कर सकते हैं।

गेहूं एक महीने में 8 फीसदी महंगा, बढ़ सकती हैं खाद्य तेल की कीमतें, क्यों बिगड़ रहा रसोई का बजट?

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन से ठीक पहले रसोई का बजट फिर बिगड़ सकता है। घरेलू बाजार में पिछले एक माह में गेहूं की कीमतें 8 फीसदी से ज्यादा बढ़ चुकी हैं। खाद्य तेलों की कीमतों में भी तेजी आने की पूरी आशंका है।

काले सागर में आपूर्ति के बढ़ते जोखिमों के कारण शिकागो गेहूं वायदा पिछले सत्र में 5 फीसदी उछलने के बाद दो महीने के उच्चतम स्तर के करीब पहुंच गया है। यूक्रेन के बंदरगाह पर हुए हमलों से गेहूं निर्यात प्रभावित हुआ है। दूसरी ओर, अजोव सागर और केर्च जलडमरूमध्य में प्रतिबंध से रूस का गेहूं निर्यात भी मुश्किल में आ गया है। इन व्यवधानों ने वैश्विक गेहूं बाजारों में एक जोखिम प्रीमियम जोड़ दिया है।

गेहूं की वैश्विक कीमतों में आए इस उछाल का असर भारतीय बाजार पर भी हुआ है। इस दौरान इंदौर मंडी में गेहूं के दाम सबसे अधिक 8.44 फीसदी तक बढ़े हैं। दिल्ली, कानपुर और कोटा जैसी प्रमुख मंडियों में कीमतें औसतन 3.5-4 फीसदी के बीच बढ़ी हैं।

गेहूं उत्पादन हो सकता है प्रभावित

गेहूं उत्पादन का परिदृश्य प्रतिकूल मौसम की स्थिति के प्रति संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि बढ़ता तापमान, बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि पैदावार एवं अनाज की गुणवत्ता के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं। मौसम में हालिया व्यवधानों के कारण व्यापारियों ने अगले रबी सीजन के उत्पादन पूर्वानुमान को 11.35 करोड़ टन से घटाकर 11.40 करोड़ टन कर दिया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में अधिक उत्पादन के बावजूद शुरुआती उम्मीदों से कम है।

खाद्य तेलों में तेजी के चार कारण

इस साल सोयाबीन की खेती 6 फीसदी तक कम रहने की आशंका है। 15 दिनों में बारिश में सुधार नहीं हुआ, तो प्रति हेक्टेयर उत्पादन भी 5 से 7 फीसदी घट सकता है।

वैश्विक बाजारों में पाम तेल की उपलब्धता में कमी और घरेलू बाजार में सरसों व सोयाबीन के पर्याप्त स्टॉक के चलते भारत ने आयात कम किया है, जिससे आने वाले समय में घरेलू स्टॉक पर दबाव बढ़ेगा।

एफएमसीजी कंपनियों और स्टॉकिस्टों की मांग थोड़ी सुस्त जरूर है। लेकिन, अगस्त के पहले पखवाड़े से बाजार में रिकवरी आएगी और दिवाली तक त्योहारी मांग चरम पर होगी। यह मांग कीमतों को और ऊपर धकेलेगी।

वैश्विक स्तर पर बायोफ्यूल में पाम तेल का इस्तेमाल बढ़ने से सोया तेल और सूरजमुखी तेल महंगा हुआ है। रुपये की कमजोरी ने रिफाइनर्स के लिए आयात लागत बढ़ा दिया है।

कितने बढ़ सकते हैं खाद्य तेल के दाम?

विशेषज्ञों के मुताबिक, कीमतों में अचानक कोई बड़ा विस्फोट भले न हो, लेकिन आने वाले दिनों में कीमतों में तेजी बनी रहेगी। सूरजमुखी तेल 1,580 से 1,600 प्रति क्विंटल के स्तर पर बनी रहेगी। यानी इसके दाम 160 रुपये प्रति लीटर से ऊपर बने रहने के आसार है। सोयाबीन तेल का दाम 1,420 रुपये के मजबूत स्तर पर बरकरार रहने की उम्मीद है, जिससे इसमें मंदी की गुंजाइश खत्म हो गई है। पाम तेल काफी अच्छे डिस्काउंट पर आ चुका है, इसलिए 1,340 से 1,350 के स्तर पर इसमें तगड़ी खरीदारी लौटती दिख रही है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस चौथी बार बने पिता, पत्नी उषा ने दिया बेटे को जन्म, 156 साल बाद बना अनोखा रिकॉर्ड

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस के घर चौथी संतान का जन्म हुआ है। दोनों ने सोशल मीडिया पर बताया कि उनके बेटे का जन्म हुआ है। बच्चे का नाम एलेक नील वेंस रखा गया है। इसके साथ ही जेडी वेंस 156 साल से ज्यादा समय बाद पद पर रहते हुए पिता बनने वाले पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति बन गए हैं। एलेक नील वेंस, जेडी और उषा वेंस की चौथी संतान हैं। इससे पहले उनके तीन बच्चे हैं। सबसे बड़े बेटे इवान की उम्र 9 साल, दूसरे बेटे विवेक की उम्र 6 साल और बेटी मिराबेल की उम्र 4 साल है। जेडी वेंस और उषा वेंस ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा, हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आज सुबह हमारे बेटे एलेक नील वेंस का जन्म हुआ है। उषा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। हमारे तीनों बच्चे भी अपने छोटे भाई के आने से बेहद खुश हैं। दंपति ने वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर के डॉक्टरों, नर्सों और पूरे मेडिकल स्टाफ के साथ-साथ व्हाइट हाउस की मेडिकल टीम का भी धन्यवाद किया। 41 वर्षीय जेडी वेंस लंबे समय से अमेरिका में घटती जन्म दर को लेकर चिंता जताते रहे हैं। उन्होंने 2021 में ओहायो से सीनेट चुनाव लड़ते समय भी इस मुद्दे को उठाया था। उपराष्ट्रपति बनने के बाद 2025 में आयोजित मार्च फॉर लाइफ कार्यक्रम में उन्होंने कहा था, मैं चाहता हूं कि अमेरिका में ज्यादा बच्चे पैदा हों। वेंस ने यह भी बताया था कि उनके करीबी दोस्त चार्ली किर्क की 2025 में हुई हत्या ने उन्हें एक और बच्चा पैदा करने का फैसला लेने के लिए प्रेरित किया। जेडी वेंस पहले अमेरिकी मरीन में रह चुके हैं। विदेश दौरों पर उनकी पत्नी उषा और तीनों बच्चे भी कई बार उनके साथ गए हैं। रात की लंबी उड़ानों के दौरान बच्चों को कई बार एयर फोर्स टू में पायजामा पहनकर चढ़ते हुए भी देखा गया है।

40 साल की उषा वेंस भारतीय मूल के प्रवासी माता-पिता की बेटी हैं। जनवरी में जब उनकी प्रेग्नेंसी की घोषणा हुई थी, तभी से वह चर्चा में थीं। अमेरिका में राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति जैसे बड़े पद पर रहते हुए परिवार में नए बच्चे का जन्म होना बहुत कम देखने को मिलता है। इससे पहले 1870 में तत्कालीन उपराष्ट्रपति शायलर कोलफैक्स के कार्यकाल के दौरान उनके बेटे शायलर कोलफैक्स तृतीय का जन्म हुआ था। उससे पहले 1829 में उपराष्ट्रपति जॉन सी। कैलहून के बेटे विलियम का जन्म हुआ था। यह जानकारी व्हाइट हाउस हिस्टोरिकल एसोसिएशन ने दी है। हाल के महीनों में ट्रंप प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों के घर भी बच्चों का जन्म हुआ है। व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर और उनकी पत्नी केटी मिलर हाल ही में चौथी बार माता-पिता बने हैं। वहीं, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने मई में अपने पति निकोलस रिचियो के साथ दूसरे बच्चे का स्वागत किया।

रूस के हमलों से यूक्रेन में तबाही, 6 लोगों की मौत, एयर डिफेंस सिस्टम फेल

यूक्रेन, एजेंसी। रूस ने रविवार को बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन और गाइडेड बमों से कीव और यूक्रेन के दूसरे शहरों पर हमला किया। इसमें कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। इस हमले ने एक बार फिर यूक्रेन में अमेरिका में बने पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की कमी को उजागर किया है। हाल के हफ्तों में मॉस्को ने बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल बढ़ा दिया है। वह रूस के अंदर मौजूद तेल ठिकानों पर यूक्रेन के हमलों को रोकना चाहता है, क्योंकि इन हमलों से ईंधन की भारी कमी हो गई है, जिससे सेना और आम नागरिक दोनों प्रभावित हुए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह यूक्रेन को पैट्रियट बनाने का लाइसेंस देने के लिए तैयार हैं। पैट्रियट रूसी बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने का सबसे असरदार तरीका है,

जिससे कीव की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो सकती है। हालांकि, इसके बारे में पूरी जानकारी और समयसीमा अभी साफ नहीं है और इसके पूरी तरह से बनने में कई साल लग सकते हैं। कीव पर ताजा हमला रात करीब 1:30 बजे शुरू हुआ और कई घंटों तक जारी रहा, जिसमें पूरे शहर में धमाकों की आवाजें गूंजती रहीं। यूक्रेनी वायु सेना के अनुसार, रूस ने रात भर में पूरे यूक्रेन में 41 मिसाइलें और 125 ड्रोन दागे। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि इनमें से ज्यादातर मिसाइलों ने राजधानी को निशाना बनाया था। बाद में रविवार को, क्षेत्रीय प्रशासन के अनुसार, यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्कीव के पास एक डाक केंद्र पर रूसी हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम 20 लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों और यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने बताया कि रूसी गाइडेड बमों ने खेरसॉन और सुमी शहरों को भी निशाना बनाया, जिसमें हर हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। यूक्रेन की स्टेट इमरजेंसी सर्विस के अनुसार, कीव पर हुए हमलों से पांच जिलों में आग लग गई, जिससे रिहायशी इमारतों, दफ़्तरों और औद्योगिक साइटों, एक डॉरमिटरी और गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। 32 साल की विक्टोरिया शेजको अपने सात बच्चों और पति के साथ अपने अपार्टमेंट ब्लॉक के कॉरिडोर में शरण ले रही थीं, तभी उन्होंने जोरदार धमाकों की आवाज सुनी। उन्होंने कहा कि जब सायरन बजा, तो हमने चेक किया कि बैलिस्टिक मिसाइलें आ रही हैं, फिर हम कॉरिडोर में चले गए। उसके बाद एक के बाद एक मिसाइलें फटने लगीं। उन्होंने कहा कि लगातार हो रही बमबारी का तनाव मानसिक रूप से बहुत मुश्किल होता है। पहले यह हफ़्ते में एक बार या उससे भी कम होता था, लेकिन अब अगर रोज नहीं, तो हर दूसरे दिन ऐसा होता है। बचाव दल ने स्वियातोशिंस्की जिले में आग लगे एक घर से चार लोगों को बाहर निकाला, जबकि शेवचेंकिव्स्की जिले में वे आग लगी तीन मंजिला इमारत से निवासियों को बचाने के लिए पहुंचे। वहां एक व्यक्ति मृत पाया गया। फायरफाइटर्स ने सोलोमियांस्की, डेसनियांस्की और निप्रो जिलों में लगी आग को बुझाने का काम भी किया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि कीव पर हमले में यूक्रेनी सेना से जुड़ी जगहों को निशाना बनाया गया – इनमें फ्लेमिंगो ड्रोन और नेपच्यून गाइडेड मिसाइल के पाट्र्स बनाने वाले प्लांट, साथ ही दोहरे इस्तेमाल वाले सामान को रखने और ड्रोन, रोबोटिक सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर इक्विपमेंट को असेंबल करने के लिए इस्तेमाल होने वाला पोस्टल टर्मिनल शामिल था।

अमेरिका के हमले से दहला ईरान, हवाई हमले तेज, जंग के मुहाने पर मिडिल ईस्ट?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने आज तड़के कहा कि उसने ईरान को निशाना बनाते हुए हवाई हमलों का एक नया दौर शुरू किया है। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने इन हमलों की घोषणा की, जो लगातार नौवीं रात भी जारी रहे। सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा, ये हमले ईरान की उन सैन्य क्षमताओं को कमजोर करना जारी रखेंगे, जिनका इस्तेमाल होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों और आम नागरिकों (नाविकों) पर हमले के लिए किया जाता है।

अमेरिका ने रविवार को ईरान पर और हवाई हमले शुरू करते हुए एक और सैनिक की मौत की घोषणा की। ये हमले अमेरिकी सैनिकों की हत्या के जवाब में किए गए थे। वहीं, ईरान ने जॉर्डन की ओर मिसाइलें दागीं, जिससे संघर्ष के पड़ोसी देश इजराइल तक फैलने का खतरा पैदा हो गया।

दोनों पक्षों ने जरूरी बुनियादी ढांचे को बनाया निशाना

धीरे-धीरे, अमेरिका और ईरान पूर्ण युद्ध के करीब पहुंच गए हैं, क्योंकि पिछले महीने लड़ाई को स्थायी रूप से खत्म करने के लिए हुआ अंतरिम समझौता टूट गया है और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही काफी हद तक रुक गई है। दोनों पक्षों ने आम नागरिकों के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है, जिस पर लाखों लोग निर्भर हैं।

जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों की हत्या का बदला

अमेरिकी सेना ने बताया कि शनिवार को इराक में एक ईरानी ड्रोन को गिराने के बाद उसे नियंत्रित तरीके से नष्ट करने की प्रक्रिया के दौरान एक सैनिक की मौत हो गई। इससे पहले, सेना ने कहा था कि उसके हमलों का मकसद ईरान के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड को निशाना बनाना था, जो जॉर्डन में शुक्रवार को सैनिकों की हत्या का बदला लेने के लिए किया गया था। उस हमले के बाद एक सैनिक लापता हो गया था, और सेना के नए बयान में कहा गया है कि रविवार को अज्ञात अवशेष मिले हैं जिनकी जांच की जा रही है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 17 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं।

इजराइली इलाके में भी फैल रही जंग की आग

गोलाबारी का यह नया दौर अब दूसरे हफ्ते में है, जिसमें अमेरिका ने ईरान में पुलों, पानी को खारापन-मुक्त करने वाले संयंत्रों और बिजली सुविधाओं को निशाना बनाया है। तेहरान ने पूरे मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सहयोगी देशों पर हमले किए हैं। कुवैत, जॉर्डन और बहरीन ने ईरान से आने वाले ड्रोन और मिसाइलों के लिए फिर से एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिवेट कर दिए। इजराइल ने चेतावनी दी कि पड़ोसी जॉर्डन की ओर दागी गई मिसाइलों के कारण हफ्तों में पहली बार इजराइली इलाके में भी आग फैल सकती है।

ईरान में बढ़ा तनाव, भारत ने जारी की ट्रैवेल एडवाइजरी, नागरिकों को देश छोड़ने की सलाह

तेहरान, एजेंसी। भारत ने रविवार को अपने नागरिकों को सलाह दी कि वे सुरक्षा हालात सुधरने तक ईरान की यात्रा टाल दें। साथ ही, बढ़ती अस्थिरता और टकराव के बीच जो लोग पहले से वहां मौजूद हैं, उनसे उपलब्ध कमर्शियल उड़ानों के जरिए वहां से निकलने पर विचार करने को कहा। तेहरान में भारतीय दूतावास ने एक नई ट्रैवल एडवाइजरी में कहा कि हाल के दिनों में ईरान में अस्थिरता और टकराव बढ़ा है, इसलिए भारतीय नागरिकों को ज़्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है।

भारतीय दूतावास ने कहा, जो भारतीय नागरिक किसी भी मकसद से ईरान जाना चाहते हैं, उन्हें फिलहाल अपनी यात्रा टाल देनी चाहिए, जब तक कि सुरक्षा हालात बेहतर न हो जाएं। इसने ईरान में मौजूद भारतीयों को सलाह दी कि वे उपलब्ध उड़ानों के जरिए कुछ समय के लिए देश से बाहर निकलने पर विचार करें। दूतावास ने कहा कि जो लोग ईरान में ही रहने का फैसला करते हैं, उन्हें बहुत ज़्यादा सावधानी बरतनी चाहिए। इसने कहा कि उन्हें हालात की पूरी जानकारी रखने के लिए खबरों पर ध्यान देना चाहिए और ऐसी जगहों पर जाने से बचना चाहिए जहां ज़्यादा सैन्य गतिविधियां हो रही हों, जैसे कि देश के दक्षिणी तट के इलाके। दूतावास ने भारतीय नागरिकों से स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने का भी आग्रह किया। इसने ईरान में मौजूद उन सभी भारतीयों से कहा, जिन्होंने अभी तक दूतावास में रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है, वे तुरंत ऐसा करें और आगे की जानकारी के लिए मिशन की वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल पर नजर रखें।

बंगाल के सरकारी दफ्तरों में अब सिर्फ बंगाली भाषा में होगा काम, 1 सितंबर से बदलेगा नियम

सीएम शुभेंदु का बड़ा फैसला

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को घोषणा की है कि राज्य सरकार 1 सितंबर से सभी सरकारी कामों के लिए बंगाली भाषा को अनिवार्य कर देगी। ये फैसला राज्य के सरकारी कामों के लिए लिया गया है। वहीं केंद्र सरकार के साथ आधिकारिक बातचीत के लिए हिंदी का भी इस्तेमाल किया जाएगा। सरकार 1 सितंबर से सभी तरह के पब्लिक कम्युनिकेशन चैनलों पर बंगाली भाषा का इस्तेमाल अनिवार्य कर देगी। इसमें नागरिकों के लिए सेवाएं, डिजिटल गवर्नेंस सिस्टम, एप्लीकेशन फॉर्म, सर्टिफिकेट, पोर्टल, वेबसाइट, मोबाइल एप्लीकेशन, ट्रेनिंग का सामान, पब्लिक साइनबोर्ड, प्रेस रिलीज और दूसरी आधिकारिक बातचीत शामिल हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि आज मैं आयोग की रिपोर्ट जारी कर रहा हूं, जिसे 2011 में TMC सरकार के दौरान जस्टिस सुशांत चटर्जी की अध्यक्षता में बनाया गया था। 1 सितंबर 2026 से सरकारी कामकाज में बांग्ला भाषा का इस्तेमाल अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि भूमि और भूमि सुधार विभाग से लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय तक का कामकाज बांग्ला भाषा में होगा।

उन्होंने कहा कि नागरिकों की सेवाओं, हलफनामों, ऐप्स, नागरिक चार्टर, FIR और नोटिफिकेशन के लिए बांग्ला का इस्तेमाल किया जाएगा। मंत्री और विधायक शुभेंदु अधिकारी को 1 हफ्ते के अंदर पत्र का जवाब देना होगा। एक लिस्ट CMO को भेजनी होगी। उन्होंने कहा कि मैं एक हफ्ते के अंदर अनुपालन रिपोर्ट दूंगा।

शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें पत्र लिखकर प्रशासन में बंगाली भाषा का ज्यादा इस्तेमाल करने का सुझाव दिया था। मुख्यमंत्री ने शाह के पत्र से पढ़कर सुनाया, "यह साल भारत के महान शिक्षाविद, राजनेता और गहरे विचारक डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती का साल है।" उन्होंने विधानसभा में पढ़कर सुनाया, "डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय भाषाओं के संरक्षण, विकास और व्यापक इस्तेमाल के जबरदस्त समर्थक थे। उनका पक्का मानना था कि भारतीय भाषाओं को प्रशासन, शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में अपना सही स्थान मिलना चाहिए, क्योंकि लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था तभी असरदार और जन-केंद्रित हो सकती है जब वह लोगों की अपनी भाषा में काम करे।"

'आज ही बिल्डिंग गिरा दी जाए, तब भी सुनवाई नहीं की जाएगी', बुलडोजर एक्शन पर बोले सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (20 जुलाई) को एक संपत्ति को गिराए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने बड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भले ही इस संपत्ति को आज पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया जाए, तब भी वो आदेश नहीं देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को पहले संबंधित हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए।

याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट से उसी दिन मामले की सुनवाई करने का अनुरोध किया था। वकील का कहना था कि संबंधित अधिकारी संपत्ति को गिराने की कार्रवाई कर रहे हैं, जबकि निर्माण के लिए

स्वीकृत भवन योजना मौजूद है, बावजूद इसके अधिकारी कार्रवाई कर रहे हैं।

क्या है मामला

वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि संपत्ति तालाब वाले इलाके में बनी बताई जा रही है, लेकिन इसके लिए मंज़ूरी वाला प्लान मौजूद था। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का आरोप है कि संपत्ति का निर्माण तालाब की जमीन पर किया गया है, लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि भवन का निर्माण विधिवत स्वीकृत योजना के अनुसार किया गया है

CJI सूर्यकांत ने क्या कहा

हालांकि मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मामले में तत्काल सुनवाई करने और किसी भी तरह की अंतरिम सुरक्षा देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि 'भले ही इसे आज पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया जाए, लेकिन मैं ऐसा नहीं करूंगा'। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर पहली बार में विचार नहीं करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने जाहिर की नाराजगी

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता से हाईकोर्ट जाने को कहा और पार्टियों द्वारा हाईकोर्ट को दरकिनार कर तत्काल राहत पाने के लिए सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख करने की आदत पर नाराजगी जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को इस मामले में हाईकोर्ट जाने की सलाह दी। कोर्ट ने कहा कि मामले में राहत पाने के लिए पहले संबंधित हाईकोर्ट का रुख किया जाना चाहिए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले में तत्काल सुनवाई करने से साफ मना कर दिया।

'मंटो ने मुश्किल दौर से बाहर निकाला', रसिका दुग्गल बोलीं- ऑडिशन से नहीं होती दिक्कत, रिजेक्शन पर कही ये बात

रसिका दुगल ने गहरे और हटकर किरदारों को चुनकर अपना करियर बनाया है। लेकिन वह मानती हैं कि एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उनका करियर किस दिशा में जा रहा है। जहां 'मिर्जापुर' ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई, वहीं रसिका का कहना है कि 'मंटो' ने उन्हें उनके करियर के सबसे मुश्किल दौर से बाहर निकाला। रसिका ने उन किरदारों के बारे में बात की जिन्होंने उनकी जिंदगी बदल दी। उन्होंने बताया कि वह ऑडिशन देने से क्यों नहीं कतरातीं।

इंडिया टुडे के साथ बातचीत में अपने करियर के लिए सबसे अहम प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए रसिका ने कहा कि 'मिर्जापुर' बेशक सबसे ज्यादा लोगों तक पहुंची। लेकिन 'मंटो' ऐसे समय में मिली जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी।

एक ऐसा प्रोजेक्ट जिसमें लोगों ने मुझे एक अलग नजरिए से देखा और जो बहुत बड़े दर्शकों तक पहुंचा, वह निश्चित रूप से 'मिर्जापुर' था। लेकिन मुझे लगता है कि जिस चीज ने मुझे उस मुश्किल दौर से बाहर निकाला, वह 'मंटो' थी।

'किस्सा' और 'मंटो' के बीच सच में एक लंबा गैप था और मुझे ज्यादा काम नहीं मिल रहा था। उस समय मुझे कई बार रिजेक्शन का सामना करना पड़ा, जो बहुत मुश्किल था। वह सच में ऐसा दौर था जब मुझे लगता था, 'अब यहां से आगे क्या? अब मैं कहां जाऊं? किस दरवाजे पर दस्तक दूं और किससे पूछूं?'

मुझे ऑडिशन देने में कोई दिक्कत नहीं

इंडस्ट्री में दो दशक से ज्यादा समय बिताने के बावजूद रासिका कहती हैं कि उन्होंने कभी भी ऑडिशन देने को अपने स्तर से नीचे नहीं समझा। मैंने हमेशा कहा है कि मैं ऑडिशन दूंगी।

पिछले कुछ साल में लोगों ने मुझसे ऐसा करने के लिए नहीं कहा है, लेकिन अगर वे कहते हैं, तो मुझे कोई परेशानी नहीं है। मैं खुशी-खुशी ऐसा करूंगी क्योंकि इससे मुझे और उन्हें उस रोल में मुझे देखने का मौका मिलता है। मुझे यह जानने का भी मौका मिलता है कि वे क्या चाहते हैं। तो यह दोनों के लिए फायदेमंद है। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है।

खुशकिस्मत हूं की टाइपकास्ट नहीं हुई

रसिका का कहना है कि वह खुशकिस्मत रहीं कि एक ही तरह के किरदारों में बंधकर नहीं रह गईं। 'मिर्जापुर' में एक्टर्स को उनके किरदारों के नाम से जाना जाता है। लेकिन मैं लकी थी क्योंकि 'मंटो', 'मिर्जापुर' और 'दिल्ली क्राइम' लगभग एक ही समय पर रिलीज हुए थे।

'दिल्ली क्राइम' और 'मिर्जापुर' में बिल्कुल अलग-अलग किरदार थे। इसलिए मैं खुशकिस्मत थी कि मुझे उस विविधता को आजमाने और दिखाने का मौका मिला।

'दिल्ली क्राइम' एक बहुत ही शानदार शो है। रसिका ने माना कि टाइपकास्टिंग से बचना हमेशा उनकी प्राथमिकता नहीं थी। अपने करियर के शुरुआती कुछ साल में एक ही तरह के रोल में बंधे रहने की चिंता करने के बजाय काम मिलना ज्यादा जरूरी था।

करियर की शुरुआत में मैं सोचती थी, 'चलो स्टीरियोटाइप ही सही, लेकिन कम से कम काम तो मिलेगा।' मैं सच में यह नहीं सोच रही थी कि 'अगर मैं एक ही तरह के रोल में बंध गई तो क्या होगा?' मैं बस यही सोच रही थी कि 'मुझे बस काम करना है।'

रिजेक्शन या सफलता दिल से नहीं लगाना चाहिए

रिजेक्शन को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि इतने साल में मैंने सीखा है कि हर रिजेक्शन या हर सफलता को दिल से नहीं लगाना चाहिए। अनुभव से पता चलता है कि यह पूरी तरह से आप पर निर्भर नहीं है। जब चीजें ठीक से नहीं होतीं तो आपको इसे इतना व्यक्तिगत रूप से नहीं लेना चाहिए। जब चीजें ठीक हो जाती हैं, तो आप उसका पूरा श्रेय भी नहीं ले सकते। यह सब किस्मत की बात है। फिर भी, जब कुछ अच्छा होता है तो आप बहुत उत्साहित महसूस करते हैं और जब कुछ नहीं होता तो बहुत बुरा लगता है। मैं यह मानना चाहती हूं कि आज मैं इन स्थितियों को संभालने में बेहतर हूं।

'मुस्कुराती है तो खूबसूरत, वर्ना आग', 'वाराणसी' से सामने आया प्रियंका चोपड़ा का नया लुक, राजामौली ने दिखाई झलक

एसएस राजामौली की मच अवेटेड फिल्म 'वाराणसी' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। अब फिल्म से प्रियंका चोपड़ा का एक नया लुक सामने आया है। इससे पहले उन्हें मंदाकिनी के किरदार में इंट्रोड्यूस किया गया था। अब मेकर्स ने फिल्म से प्रियंका चोपड़ा का नया लुक जारी किया है।

खुद निर्देशक एसएस राजामौली ने अपने इंस्टाग्राम पर प्रियंका चोपड़ा के नए लुक की तस्वीरें साझा की हैं। राजामौली ने प्रियंका की दो तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें एक में वो ब्लैक कलर के आउटफिट में गुस्से में नजर आ रही हैं।

जबकि दूसरी तस्वीर में प्रियंका मुस्कुराती हुई उछलती-नाचती दिख रही हैं। इस नए लुक को जारी करते हुए राजामौली ने कैप्शन में लिखा, 'जब वह मुस्कुराती है तो विनम्र, जब वो ऐसा नहीं करती है, तो आग है। वाराणसी में मंदाकिनी के किरदार में प्रियंका चोपड़ा।'

प्रियंका चोपड़ा का ये नया लुक उनके जन्मदिन के मौके पर जारी किया गया है। कैप्शन से मंदाकिनी के किरदार के बारे में राजामौली की सोच का पता चलता है, जिसमें नजाकत और मजबूती दोनों ही झलकती हैं।

कहानी की डिटेल्स बताने के बजाय फिल्ममेकर ने उनके अलग-अलग गुणों को उभारने का फैसला किया, जिससे पता चलता है कि यह रोल कमजोरी और अटूट मजबूती के बीच संतुलन बनाता है।

प्रियंका का लुक बहुत गंभीर और प्रभावशाली है, जो एक गहरे और दमदार किरदार की ओर इशारा करता है। मंदाकिनी को दुनिया भर में घूमने वाली एक जबरदस्त किरदार के तौर पर बताया गया है, जो मजबूत और संवेदनशील होने के साथ-साथ यादगार भी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह किरदार फिल्म की कहानी में अहम भूमिका निभाता है।

ऐसी होगी 'वाराणसी' की कहानी

'वाराणसी' एसएस राजामौली की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक होने वाली है, जिसमें साइंस फिक्शन, टाइम ट्रैवल और भारतीय पौराणिक कथाओं का ग्लोबल स्तर पर मेल देखने को मिलेगा।

फिल्म में महेश बाबू भगवान शिव के परम भक्त 'रुद्र' की मुख्य भूमिका में हैं। जबकि फिल्म के एक हिस्से में वो भगवान राम के किरदार में भी दिखेंगे। कहानी एक शक्तिशाली कॉस्मिक चीज को वापस पाने के लिए सदियों और महाद्वीपों में फैली उनकी खतरनाक यात्रा के बारे में है। हालांकि, उनके मिशन में एक बड़ा मोड़ तब आता है, जब उन्हें पृथ्वीराज सुकुमारन द्वारा निभाए गए किरदार 'कुंभा' के असली इरादों का पता चलता है, जो उस आर्टिफैक्ट का इस्तेमाल करके दुनिया पर कब्जा करना चाहता है।

7200 BCE से लेकर 2071 तक के समय को समेटने वाली इस एपिक फिल्म में रामायण से प्रेरित 30 मिनट का एक अहम हिस्सा भी है। यह दर्शकों को अंटार्कटिका के बर्फीले इलाकों और अफ्रीका के जंगलों से लेकर वाराणसी के आध्यात्मिक केंद्र तक ले जाती है। 'वाराणसी' अगले साल 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया : संजीदा शेख

अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों अपनी फिल्म धमाल-4 और इक्का की रिलीज का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अलग-अलग समय पर बनी फिल्में एक ही दिन रिलीज हो जाएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने इस खास पल को अनोखा बताया। अभिनेत्री संजीदा शेख ने शब्दों से खेलते हुए लिखा, इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया।

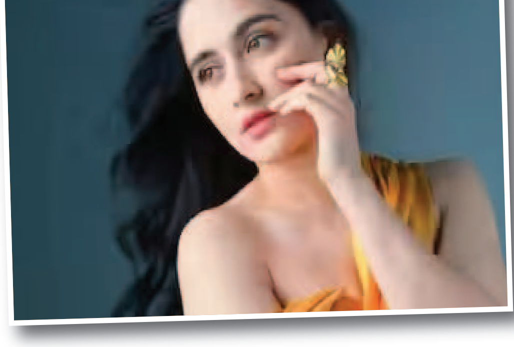

क्या शानदार और यादगार हफ्ता रहा। किस्मत भी कभी-कभी बहुत खूबसूरत तरीके से चीजों को जोड़ देती है। अलग-अलग समय पर शूट की गई धमाल 4 और इक्का एक ही दिन रिलीज होंगी, ऐसा मैंने कभी नहीं सोचा था। अभी भी इस एहसास को महसूस कर रही हूं। दर्शकों द्वारा मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। मैं अभी इस प्यार को पूरी तरह महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। आप सभी के प्यार और हौसला बढ़ाने के लिए दिल से धन्यवाद। आपका प्यार मुझे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। शुक्रिया। फिल्म धमाल-4 में संजीदा शेख अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह अरशद वारसी (आदि) और जावेद जाफरी (मानव) की जोड़ी वाली तीसरी टोली का हिस्सा हैं, जहां वह भाभी (आदि की पत्नी) का किरदार निभा रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित । शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com